मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026
संवत 2083, वैशाख शुक्ल 6 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 218 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ संवादहीनता के चलते महिला आरक्षण पर गतिरोध

डेविड धवन ने सलमान खान को बताया अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम, बोले- 'हर मुश्किल में...' 6

विधानसभा चुनाव 2026

पश्चिम बंगाल की 152 और तमिलनाडु की 234 सीटों पर मतदान जारी

- पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में दोपहर एक बजे तक 62 व 56.81% मतदान
- बंगाल के कुमारगंज में बीजेपी प्रत्याशी को दौड़ाकर पीटा
- आसनसोल में भाजपा विधायक की कार पर हमला
- मुर्शिदाबाद में ममता-हुंमायू कबीर के समर्थक भीड़े

कोलकाता/चेन्नई : पश्चिम बंगाल की 152 और तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर आज वोटिंग हो रही है। बंगाल में दो चरण में विधानसभा चुनाव होने हैं जिसमें आज यानी 23 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग हो रही है। पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हो रहा है। वहीं, तमिलनाडु की बात करें तो यहां सभी सीटों पर एक चरण में ही वोटिंग हो रही है। बीजेपी इन दोनों ही राज्यों में सत्ता में आने के लिए पूरा दमखम लगा रही है। वहीं, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए सत्ता बचाए रखना बड़ी चुनौती है। तमिलनाडु में एमके स्टालिन के लिए भी एक बार फिर सरकार में आना आसान नहीं होगा।

सुबह 7 बजते ही दोनों राज्यों में वोटिंग शुरू हो गई जो शाम 6 बजे तक जारी रहेगी। आपको बता दें कि मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल समेत पूरे उत्तर और मध्य भारत में लू की चेतावनी जारी की है। ऐसे में ज्यादातर मतदाता सुबह और शाम के समय ही मतदान कर सकते हैं। दोपहर में तेज गर्मी के कारण मतदान कम रह सकता है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 5.73 करोड़ से ज्यादा वोटर 4,023 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला करेंगे।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को निर्देश दिया है कि वे 23 अप्रैल को सुबह छह बजे से मतदान समाप्त होने तक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से बाहर नहीं जाएं। पहले चरण के चुनाव में गुरुवार को राज्य के 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। यहां कुल 1,478 उम्मीदवार मैदान में है। 3.60 करोड़ से अधिक मतदाता लगभग 44,376 बूथों पर वोट डालेंगे। इनमें 1.84 करोड़ पुरुष, 1.75 करोड़ महिला और 465 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान का दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

तीन वाहनों की टक्कर में दो लोगों की मौत, मची चीख-पुकार

बोकारो : जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र के फोरलेन रजरप्पा मोड़ के समीप तेज रफ्तार तेल टैंकर और मिनी ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे की चपेट में एक ऑटो भी आ गया और 2 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना में ट्रक चालक और ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऑटो समेत तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

सूचना मिलते ही पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जब तक नाकाबंदी जारी, तब तक होर्मुज खोलना असंभव
शांति वार्ता से पहले ईरान की अमेरिका को चेतावनी

तेहरान/वॉशिंगटन : अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच युद्धविराम (सीजफायर) लागू है, लेकिन हालात अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। इसी बीच ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ ने शांति वार्ता से पहले अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है।

गालिबफ ने स्पष्ट कहा कि जब तक अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी ईरानी बंदरगाहों पर जारी रहेगी, तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच किसी भी युद्धविराम का कोई अर्थ नहीं है, यदि नाकाबंदी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने जैसी गतिविधियां जारी रहती हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि पूर्ण युद्धविराम तभी सार्थक होगा जब सभी मोर्चों पर हमले रुकें और वैश्विक अर्थव्यवस्था को बंधक बनाने जैसी कार्रवाइयों का अंत हो। ऐसे खुले उल्लंघनों के बीच होर्मुज को खोलना संभव नहीं है।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ किया है कि जब तक ईरान के साथ समझौता नहीं हो जाता, तब तक नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान ने भी सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिए हैं कि वह होर्मुज से गुजरने वाले तेल टैंकरों को रोक सकता है।

हालांकि तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता का दूसरा दौर जल्द शुरू हो सकता है और अगले 36 से 72 घंटों में प्रगति की उम्मीद है।

दूसरी ओर, ईरान ने अभी स्पष्ट नहीं किया है कि वह इस्लामाबाद में प्रस्तावित, पाकिस्तान की मध्यस्थता वाली वार्ता में शामिल होगा या नहीं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि इस पर अंतिम निर्णय अभी नहीं लिया गया है।

कुल मिलाकर, युद्धविराम के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिति को जटिल बना दिया है।

बिहार में एक करोड़ की चोरी, बंद घर से कीमती गहने और नगद ले उड़े चोर

औरंगाबाद : जिले के कुटुंबा प्रखंड मुख्यालय अंबा में एक घर से कीमती गहने और रुपये चोर ले भागे। प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख गीता सिंह के घर अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया।

चोरों ने उठाया मौके का फायदः मिली जानकारी के अनुसार, गीता सिंह के पति और पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह 13 अप्रैल को अपने बेटे से मिलने पटना गए हुए थे। घर में किसी के नहीं रहने का फायदा उठाकर चोरों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह है कि घनी आबादी वाले इलाके में स्थित घर में चोरी हुई, लेकिन आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी ।

कीमती गहने और नगद ले उड़े चोर: बताया जा रहा है कि बीते बुधवार की रात जब दंपती पटना से वापस लौटे, तो उन्होंने घर का ताला टूटा हुआ पाया। अंदर जाने पर देखा कि सामान बिखरा पड़ा है और अलमारी का ताला तोड़ दिया गया है। चोरों ने लगभग 70 से 80 लाख रुपये के आभूषण और करीब 12 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए । इस तरह से टोटल नुकसान लगभग एक करोड़ रुपये के आसपास बताया जा रहा है। इस घटना से पीड़ित परिवार पूरी तरह से आहत है।

रात में ही वीरेंद्र सिंह ने तुरंत अंबा थाना की पुलिस को फोन किया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राहुल राज अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

पुलिस मामले की जांच में जुटीः इसके साथ ही पुलिस ने स्क्वॉयड डॉग टीम को भी बुलाया है, जो सुराग जुटाने में मदद कर रही है। पुलिस तकनीकी जांच के तहत मोबाइल टावर लोकेशन और इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर भी अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह घटना अंबा बाजार के मुख्य चौक के पास हुई है, जहां दिन-रात पुलिस की तैनाती रहती है और इलाका काफी व्यस्त और आबादी वाला है।

इसके बावजूद इतनी बड़ी चोरी होना स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है। घर के मालिक के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले को गंभीरता से लिया।

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका के नौसेना प्रमुख जॉन फेलन ने दिया इस्तीफा

वॉशिंगटनः अमेरिकी नौसेना प्रमुख जॉन फेलन ने त्यागपत्र दे दिया है। इसकी जानकारी अमेरिका के युद्ध विभाग ने दी। विभाग ने बुधवार को एक बयान में कहा, नौसेना प्रमुख जॉन सी। फेलन तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। बयान में कहा गया है कि उप प्रमुख हंग काओ नौसेना के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में सेवा देंगे। एक्सियोस समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, फेलन की विदाई कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक रही। उनके संबंध युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ ठीक नही थे, लेकिन कथित तौर पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंध अच्छे थे।

समाचार पोर्टल ने एक सूत्र के हवाले से कहा, फेलन यह नहीं समझ पाए कि वह सर्वोच्च अधिकारी नहीं थे। उनका काम दिए गए आदेशों का पालन करना है, न कि उन आदेशों का पालन करना जो उनके अनुसार दिए जाने चाहिए। फेलन ने मंगलवार को नौसेना के भविष्य और गोल्डन फ्लीट पहल सहित इसके प्रमुख निवेशों पर चर्चा करने के लिये संवाददाताओं से बात की थी।

फेलन का त्यागपत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है। अमेरिकी नौसेना ने 13 अप्रैल को हॉर्मुज जलडमरूमध्य के दोनों ओर ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले सभी समुद्री यातायात की घेराबंदी शुरू कर दी है। दुनिया के तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

अमेरिका का कहना है कि गैर-ईरानी जहाज हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिये स्वतंत्र हैं, जब तक कि वे तेहरान को मार्ग कर नहीं देते। ईरानी अधिकारियों ने मार्ग कर लगाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन ऐसी योजनाओं पर चर्चा की है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी बंदरगाहों की अमरीकी घेराबंदी को एक जबरदस्त सफलता बताया है और कहा है कि वाशिंगटन तब तक हॉर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलेगा, जब तक कि उसके पास अंतिम समझौता न हो।

मिर्जापुर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक के ब्रेक फेल होने से मचा कोहराम

ट्रक ने एक साथ तीन वाहनों को अपनी चपेट में लिया, 11 लोगों की दर्दनाक मौत

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा पेश आया। ड्रमंडगंज घाटी के ढलान वाले रास्ते पर एक अनियंत्रित ट्रक ने कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप 11 लोगों की जान चली गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दो भारी ट्रकों के बीच फंसी एक कार पूरी तरह कुचल गई और देखते ही देखते आग के गोले में तब्दील हो गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, जिस ट्रक ने पीछे से कार में टक्कर मारी, उसके ब्रेक फेल होने का संदेह है। यह हादसा रात करीब 8:30 बजे ड्रमंडगंज घाटी के निचले हिस्से में ढलान वाले रास्ते पर हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।

मिर्जापुर की एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया, रात करीब 8:30 बजे हमें ब्राह्मणगंज से नीचे उतरने वाले रास्ते पर एक हादसे की सूचना मिली–इस इलाके को स्थानीय तौर पर 'भैसोद' के नाम से जाना जाता है–जब गाड़ियां ढलान से नीचे उतर रही थीं। पीछे से आ रहे एक ट्रक के ब्रेक शायद फेल हो गए थे, जिसके कारण वह आगे बढ़ रहा था और उसने आगे चल रही गाड़ियों में टक्कर मार दी। उसकी टक्कर एक दूसरे ट्रक से हुई, जिसके परिणामस्वरूप एक कार उन दोनों ट्रकों के बीच फंस गई। इसके अलावा, एक और कार में टक्कर लगने के बाद आग लग गई।

उन्होंने आगे कहा, अभी तक मिली रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में 11 लोगों की जान चली गई है।। सड़क पर यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए फिलहाल ट्रैफिक और ट्रकों को हटाया जा रहा है। अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, एक ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर बिहार का है, जबकि दूसरे का मध्य प्रदेश का; कारों में से एक सोनभद्र जिले की है और दूसरी मिर्जापुर जिले की।

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त कियाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने घायलों में से प्रत्येक के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की भी घोषणा की। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुई दुर्घटना में लोगों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूँ। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। इस दुखद दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएँगे, पीएमओ के पोस्ट में यह लिखा था।

न्यूज IN ब्रीफ

सड़क पर बने गड्ढों से दुर्घटना का खतरा

मुरी : मुरी गोला मुख्य सड़क मार्ग के मातृछाया नर्सिंग होम के पास सड़क पर बड़े- बड़े गड्ढे होने के कारण इन दिनों दुर्घटना की काफी संभावना बढ़ गई है। उरंग गारढ़ा नदी पुल से बीच सिंहपुर चौक के पास रोड की स्थिति काफी जर्जर हो गई है हर दिन इस रोड में भरी वाहन का आना जाना लगा रहता है जर्जर रोड के कारण गाड़ी को आने जाने में काफी दिक्कत होती है उसी रोड में मातृ छाया , सिंह नार्शिंग होम एवं भारत माता हॉस्पिटल उसी आस पास होने के कारण पेसेंट को भी आने जाने में दिक्कत होती है अस्थानीय लोगो का कहना है की रोड की स्थिति के हिसाब से आए दिन बड़ी दुर्घटना की संभावना है बीजी रोड होने के बावजूद किसी का ध्यान उसकी और नहीं है।

अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, 16 लाख रु का अफीम बरामद

चतरा : झारखंड सरकार के निर्देश पर चतरा पुलिस लगातार अफीम तस्करों की कमर तोड़ने में लगी है। पुलिस ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई में कुंदा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए साढ़े सोलह लाख रु की अफीम बरामद की। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुंदा थाना क्षेत्र के टीटही भरगांव में नंदकिशोर गंझू के घर पर व्यापार के लिए अफीम रखा हुआ है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सिमरिया अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए सफलता प्राप्त की गई। उन्होंने बताया कि मौके से तस्कर नंदकिशोर गंझू को 3 किलो 264 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। बताया कि बीते दिनों लावालौंग थाना क्षेत्र में भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई में 24 लाख रु के मादक पदार्थों की बरामदगी की गई थीं। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद अफीम की कीमत लगभग 16 लाख 50 हजार रु है। छापामारी टीम में कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह,सहायक अवर निरीक्षक नागेश्वर पंडित और थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। इस मामले में कुंदा थाना कांड संख्या 24/26 दिनांक 22 अप्रैल 26 एवं 15/18/27/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांटा टोली चौक पर ट्रैफिक नियम में बड़ा बदलाव, ऑटो-ई रिक्शा के रूट बदले, ट्रायल शुरू

गुलाम शाहिद/रांची : शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल कांटा टोली चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए बड़ा बदलाव किया गया है। नए ट्रैफिक नियम के तहत अब सर्जना चौक और डांगरा टोली की ओर से कांटा टोली आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा को फ्लाईओवर के नीचे मंगल टावर के पास से यू-टर्न लेकर स्टेशन रोड की ओर जाना होगा। वहीं, नामकुम की दिशा से आने वाले ऑटो और ई-रिक्शा को खादगढ़ा मुख्य द्वार के पास से यू-टर्न लेकर सर्जना चौक और डांगरा टोली चौक की ओर भेजा जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य चौक पर लगने वाले जाम को कम करना और यातायात को व्यवस्थित करना है। नई व्यवस्था को लागू कराने के लिए मौके पर लालपुर ट्रैफिक थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह, ट्रैफिक डीएसपी प्रमोद कुमार केसरी सहित कई ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहे और व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए।

ट्रैफिक डीएसपी प्रमोद कुमार केसरी ने बताया कि यह बदलाव फिलहाल ट्रायल के तौर पर लागू किया गया है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो इसे स्थायी रूप से लागू कर दिया जाएगा।

मदीना में हज के दौरान धनबाद के हाजी हैदर मियां का निधन, शोक की लहर

रांची : धनबाद ज़िला अंतर्गत लोयाबाद निवासी हाजी हैदर मिया का पवित्र हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब के पवित्र शहर मदीना में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से राज्य के हज यात्रियों और स्थानीय लोगों के बीच शोक की लहर फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाजी हैदर मिया मदीना में इबादत के दौरान अचानक अस्वस्थ हो गए। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें संभालने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका निधन हो गया। उनकी उम्र लगभग 64 वर्ष बताई जा रही है।बताया गया है कि वे 20 अप्रैल 2026 को कोलकाता एयरपोर्ट से हज यात्रा के लिए रवाना हुए थे। उनका जेआरएफ नंबर 587-3-0 था। वे अपनी पत्नी के साथ हज यात्रा पर गए थे, जो वर्तमान में मदीना में ही मौजूद हैं। इस संबंध में हज कमेटी के कार्यपालक अधिकारी आफताब अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि मदीना में इबादत के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उनका इंतकाल हो गया। हज कमेटी द्वारा आगे की आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। यह सूचना झारखंड राज्य हज समिति के खुर्शीद अनवर की ओर से जारी की गई है। अल्लाह तआला से दुआ की जा रही है कि मरहूम को जन्नतुल फिरदौस में आला मकाम अता फरमाए और उनके परिजनों को सब्र-ए-जमील अता करे ।

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति फाइल राज्यपाल ने दूसरी बार लौटाई, एफआईआर वाले नामों पर जताई आपत्ति

संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित फाइल को बिना स्वीकृति के दूसरी बार राज्य सरकार को वापस लौटा दी है। राज्यपाल ने इस बार फाइल यह कहते हुए लौटायी है कि जिन पर मुकदमा दर्ज हो, वैसे सूचना आयुक्त बन सकते हैं, इससे पूर्व राज्यपाल ने विधिक राय ली थी। राज्यपाल ने सरकार की ओर से सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति के लिए भेजे गए चार नामों की अनुशंसा में अमूल्य नीरज खलखो पर आपत्ति जतायी है। उन पर पांच मुकदमा दर्ज हैं। इसी प्रकार तनुज खत्री पर एक मुकदमा दर्ज है।

लोकभवन को मिली थीं लिखित शिकायतें: राज्य सरकार ने राज्यपाल द्वारा पहली बार सदस्यों के राजनीतिक संबंध व एक्ट का हवाला देकर फाइल वापस की थी, लेकिन सरकार ने दूसरी बार फाइल यह कह कर राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिए भेजा कि अनुज कुमार सिन्हा वरिष्ठ पत्रकार हैं, जबकि अमूल्य रंजन खलखो, तनुज खत्री और शिवपूजन पाठक राजनीतिक दल से इस्तीफा दे चुके हैं। इनका कोई राजनीतिक संबंध नहीं है, ये लोग समाजसेवी हैं। लेकिन राज्यपाल ने सरकार की अनुशंसा को नहीं माना, उल्लेखनीय है कि अमूल्य नीरज खलखो कांग्रेस, तनुज खत्री जेएमएम से और शिवपूजन पाठक बीजेपी से जुड़े रहे हैं। सूचना आयुक्त नियुक्ति को लेकर लोकभवन में कई लिखित शिकायतें की गयीं, इनमें बताया गया कि जिन नामों की अनुशंसा की गयी है, वह आरटीआई एक्ट के विरूद्ध व सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन है।

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में चलने व सरकार द्वारा शीघ्र नियुक्ति का आश्वासन दिये जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता वाली चयन समिति की 25 मार्च 2026 को बैठक हुई। बैठक में समिति के सदस्य के रूप में झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी व सदस्य हफीजुल हसन शामिल थे। समिति की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने दूसरे दिन राज्यपाल की स्वीकृति के लिए लोकसभवन भेजा, लेकिन राज्यपाल ने इसकी समीक्षा करने व विधिक राय लेने के बाद 10 अप्रैल 2026 को फाइल आपत्ति के साथ लौटा दी, इसके बाद 20 अप्रैल 2026 को पुनः सरकार ने इन्हीं नामों के साथ फाइल स्वीकृति के लिए दोबारा लोकभवन भेजा, लेकिन विधिक राय लेने के बाद 22 अप्रैल 2026 को पुनः फाइल आपत्ति के साथ लौटा दी।

राज्यपाल की ओर से दूसरी बार फाइल लौटाने के बाद अब चयन समिति पुनः बैठक कर आपत्ति की समीक्षा कर सकती है। साथ ही समिति द्वारा किसी अन्य नामों पर विचार कर सरकार के माध्यम से स्वीकृति के लिए फाइल लोकभवन भेज सकती है। अगर सरकार पुराने नामों पर ही कायम रहती है, तो उसे राज्यपाल की आपत्तियों का लिखित कानूनी तार्किक जवाब देना होगा कि ये नाम क्यों योग्य है। नियमानुसार तीसरी बार फाइल लोकभवन भेजने पर राज्यपाल स्वीकृति दे सकते है। लेकिन अगर इन नामों पर आपत्तियां गभीर होती है तो मामला कोर्ट भी जा सकता है।

कांग्रेस से जुड़े रहे अमूल्य नीरज खलखो पर कुल पांच मामले दर्ज है। इनमें वर्ष 2006 में धुर्वा थाना में दो, 2007 में कोतवाली थाना व अनगड़ा थाना में एक-एक तथा वर्ष 2008 में डोरंडा थाना में एक मामला दर्ज है। हालांकि खलखो ने कहा है कि उन पर आंदोलन के समय राजनीति से प्रेरित केस दर्ज हुए थे। वह सभी मामलों में बरी हो चुके हैं। वहीं तनुज खत्री पर रांची विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष के रूप में रांची विवि के रजिस्ट्रार के पीए उग्रेश कुमार के साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में वर्ष 2017 में कोतवाली थाना में एक मामला दर्ज है। हालांकि इसकी अद्यतन स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

वंशीधर महोत्सव की तिथि अब तक तय नहीं

संवाददाता

गढ़वा : उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार की सीमा पर स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल श्री वंशीधर नगर में होने वाले ह्यराजकीय श्री वंशीधर महोत्सवह्न के आयोजन को लेकर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। इस साल अब तक महोत्सव की तिथि निर्धारित नहीं होने पर इलाके के पूर्व विधायक सह भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने सोशल मीडिया के जरिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर तीखा हमला बोला है।

एक्स पर किया पोस्ट : भानु प्रताप शाही ने अपनी पोस्ट में मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक को सीधे संबोधित करते हुए सवाल उठाया है। उन्होंने लिखा- जनता पूछ रही है, मैं भी पूछ रहा हूं वंशीधर महोत्सव कब होगा मुख्यमंत्री जी, विधायक जी?

राजकीय महोत्सव का दर्जा : गौरतलब है कि श्री वंशीधर महोत्सव को राज्य सरकार ने राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया है। नियमानुसार, हर साल इस भव्य आयोजन की तैयारी काफी पहले शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन इस वर्ष अब तक तिथि की घोषणा न होने से इलाके के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में असमंजस की स्थिति है।

राजनीति गरमाई, जवाब का इंतजार भानु प्रताप शाही ने आरोप लगाया कि राजकीय महोत्सव घोषित होने के बावजूद सरकार और प्रशासन इसकी गरिमा और समयबद्धता को लेकर गंभीर नहीं दिख रहे हैं। श्री वंशीधर महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह गढ़वा जिले की सांस्कृतिक पहचान भी बन चुका है। इस महोत्सव को लेकर अब तक जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक कैलेंडर जारी नहीं किया गया है। भानु प्रताप शाही के इस सवाल ने अब स्थानीय राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है। लोग अब सरकार और जिला प्रशासन के जवाब का इंतजार कर रहे हैं कि आखिर इस साल यह राजकीय आयोजन होगा भी या नहीं?

सिमरिया में शादी की खुशियां मातम में बदली

कोल लदे हाइवा की चपेट में आने से बारात में शामिल युवक की मौत

मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया जाम

संवाददाता

चतरा : जिले के सिमरिया प्रखंड के बनासाड़ी गांव में शादी समारोह में शामिल होने आए एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे ने शादी के घर को मातम में तब्दील कर दिया है। हादसा मंगलवार की देर रात की बताई जाती है। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक हजारीबाग जिले के खपरियावा गांव से सिमरिया प्रखंड के बनासाड़ी गांव में बारात आई हुई थी। बारात में शामिल लोग सड़क पार कर गांव की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में तेज गति से आ रहे कोयला लदे हाइवा ने अजय साव नामक एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर रात से ही चतरा हजारीबाग सड़क को जाम कर दिया है। ग्रामीण मुआवजे के साथ साथ मृतक की पत्नी को कंपनी में नौकरी की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कोल वाहन आम्रपाली से कोयला लेकर सिमरिया के रास्ते पकरी बरवाडीह की ओर जाती है,जो कि हजारीबाग जिले में पड़ता है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से मुआवजा नीति बनाने की मांग की है। वहीं समाचार लिखे जाने तक हाईवा ऑनर एसोसिएशन के साथ हुई वार्ता में मृतक के आश्रितों को 8 लाख रु दिए जाने की बात सामने आ रही थी।

पेट्रोल की कालाबाजारी जोरों पर

संवाददाता

मुरी : इन दिनों सिल्ली मुरी के पेट्रोल में आम आदमी को पेट्रोल की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इसके वावजूद गैलन भर कर पेट्रोल दिया जा रहा है। सिल्ली मुरी अन्तर्गत पांच पेट्रोल पम्प है। क्या है इसमें किसको दोषी माना जाए। क्या गैलन भर कर दिया जाना सही है। कौन देखेगा।

बढ़ती गर्मी से जनजीवन बेहाल, 41 डिग्री तापमान ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

संवाददाता

चतरा : जिले में इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के कारण आमजन के साथ-साथ स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह 8 बजे के बाद से ही तेज धूप के साथ लू चलना शुरू हो जाता है, जिससे घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों को हो रही है। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच उन्हें स्कूल जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी सेहत पर भी असर पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि सुबह के समय ही गर्मी इतनी बढ़ जाती है कि बच्चों का स्कूल जाना जोखिम भरा लगने लगा है। कई जगहों पर बच्चे धूप और उमस के कारण थकावट और चक्कर की शिकायत कर रहे हैं।वहीं दूसरी ओर बिजली की अनियमित आपूर्ति ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। दिनभर बिजली कटौती के कारण लोग गर्मी से राहत नहीं पा रहे हैं। पंखे और कूलर बंद रहने से घरों के अंदर भी हालात बदतर हो गए हैं। खासकर बुजुर्ग और छोटे बच्चों के लिए यह स्थिति काफी कठिन हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बिजली की समस्या और बढ़ती गर्मी ने दैनिक जीवन को प्रभावित कर दिया है। पानी की खपत भी बढ़ गई है, जिससे जल संकट की आशंका भी गहराने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रशासन से लोगों ने बिजली आपूर्ति में सुधार और स्कूल के समय में बदलाव करने की मांग की है, ताकि बच्चों को राहत मिल सके। गर्मी और लू के इस प्रकोप से बचने के लिए चिकित्सकों ने लोगों को दिन के समय घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है। फिलहाल, चतरा में गर्मी का असर थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

तेज रफ्तार हाइवा ने ली रिटायर्ड सीसीएल कर्मी की जान, इलाके में आक्रोश

20 घंटे से पिपरवार-टंडवा मुख्य मार्ग जाम,कोल वाहनो की लगी लंबी कतार

संवाददाता

चतरा : सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के चिरैयाटांड़ निवासी रिटायर्ड सीसीएल कर्मचारी उमेश करमाली उर्फ सुरेश करमाली की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई ।उनकी मृत्यु की खबर फैलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई ।जिस समय गांव में शादी-ब्याह जैसे खुशी के कार्यक्रम चल रहे थे,उसी दौरान इस दुःखद घटना ने माहौल को गमगीन कर दिया ।मिली जानकारी के अनुसार सुरेश करमाली बचरा मे बैंक से जुड़े काम को निपटाकर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पिपरवार के कारो कॉलेज के समीप तेज गति से आ रही एक हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वे गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत बचरा क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। रिम्स के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक के परिवार में इस घटना से कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस हादसे से स्तब्ध हैं और पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने इलाके में कोयला परिवहन कार्य को बाधित कर दिया। उनका आरोप है कि क्षेत्र में तेज रफ्तार कोयला ढोने वाले वाहनों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं,लेकिन प्रशासन और प्रबंधन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित कंपनियों से मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा देने,कोयला परिवहन के लिए अलग सड़क बनाने,तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम लागू करने की मांग की है। समाचार लिखे जाने तक पिछले 24 घंटे से पिपरवार-टंडवा का मुख्य मार्ग जाम था,जिसके कारण सड़को पर कोल वाहनो की लंबी कतार लगी हुई थी ।ग्रामीणो का कहना है कि यदि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा ।यह हादसा न केवल एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि पूरे क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और कोयला परिवहन व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

झारखंड में भीषण गर्मी का प्रकोप

कई शहरों का तापमान 40 डिग्री के पार कल से मौसम में बदलाव की संभावना

रांचीः झारखंड में गर्मी लगातार तेवर दिखा रही है. मौसम केंद्र , रांची के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में राज्य के कई प्रमुख शहरों में तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है.

आज इन जिलों में हीट वेव का अलर्ट : आज राज्य के उत्तर-पूर्वी और मध्य हिस्सों में हीट वेव चलने की संभावना जताई गई है. खासकर बोकारो, धनबाद, जामताड़ा और दुमका जैसे जिलों में गर्म हवाओं का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है. इन इलाकों में तापमान सामान्य से ऊपर बना हुआ है, जिससे लू जैसी स्थिति बन रही है.

आने वाले दिनों में राहत के संकेत : मौसम केंद्र, रांची के अनुसार 23 अप्रैल तक मौसम शुष्क ही बना रहेगा, लेकिन 24 अप्रैल से मौसम करवट लेने लगेगा. 24 अप्रैल को आंशिक बादल छाने के साथ पूर्वी झारखंड में कहीं-कहीं हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं. 25 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी, मध्य और दक्षिणी हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश और गरज के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है. 26 अप्रैल को राज्य के कई हिस्सों में बारिश और गर्जन के साथ मौसम सुहाना हो सकता है. 24 से 26 अप्रैल के बीच राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और वज्रपात की भी आशंका है.

रांची , जमशेदपुर और डाल्टेनगंज का हालः राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है. वहीं जमशेदपुर में पारा 42.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है. डाल्टनगंज में तापमान 42.8 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा. हालांकि 48 घंटे पहले डाल्टनगंज में सबसे ज्यादा 43.4 डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ था.

झारखंड के प्रमुख जिलों के तापमान का हालः सबसे ज्यादा गर्मी पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में दर्ज की गई, जहां अधिकतम तापमान 43.0 डिग्री पहुंच गया. यह सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक है, जो राज्य में सबसे ज्यादा है. बोकारो में भी तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.0 डिग्री अधिक दर्ज किया गया. वहीं सरायकेला में भी तापमान 43.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि गोड्डा में 41.7 डिग्री , देवघर 40.2 डिग्री और पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में 40.0 डिग्री दर्ज हुआ है.

हजारीबाग वन भूमि घोटालाः आईएएस विनय चौबे की जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट में हजारीबाग वनभूमि घोटाला मामले से जुड़े आरोपी आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की जमानत याचिका पर महत्वपूर्ण सुनवाई पूरी हो गई। यह सुनवाई जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत में हुई, जहां दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनी गईं। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

एसीबी और बचाव पक्ष ने रखा अपना पक्षः सुनवाई के दौरान एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से अदालत में आरोपों को मजबूत आधार देने की कोशिश की गई। एसीबी ने कहा कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है और मामले में आगे की जांच आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर, आईएएस विनय कुमार चौबे की ओर से पेश वकीलों ने अदालत में जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल निर्दोष हैं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि उन पर लगाए गए आरोप न तो तथ्यात्मक रूप से सही हैं और न ही उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य मौजूद है।

जमानत की मांग और निर्दोष होने का दावाः प्रार्थी की ओर से अदालत में यह भी कहा गया कि उन्हें झूठे आरोपों में फंसाया गया है। उनकी ओर से जमानत देने का अनुरोध करते हुए कहा गया कि जांच में सहयोग करने के लिए वे हमेशा तैयार हैं। बचाव पक्ष ने यह भी तर्क दिया कि उन्हें हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं बनता।

एसीबी कांड संख्या 11/2025 से जुड़ा मामलाः यह मामला एसीबी हजारीबाग द्वारा दर्ज कांड संख्या 11/2025 से संबंधित है। इसी मामले में विनय कुमार चौबे ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामला वनभूमि से जुड़े कथित घोटाले और प्रशासनिक अनियमितताओं से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

अदालत का अगला कदमः सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि हाईकोर्ट इस मामले में जमानत को मंजूरी देता है या फिर जांच को और मजबूत आधार देने के लिए याचिका खारिज करता है।

कांग्रेस समिति ने इक्कीसों महादेव प्रांगण में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

स्वर्णरेखा नदी को बचाने सहित अन्य मुद्दों पर किया गया विचार-विमर्श

संवाददाता

रांचीः विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आज चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति ने इक्कीसों महादेव प्रांगण में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। तत्पश्चात एक बैठक में एसआईआर,प्रदूषित स्वर्णरेखा नदी को बचाने सहित अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में उपस्थित रमा खलखो,प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष,मुख्य अतिथि ने कहा कि पृथ्वी और जल संरक्षण हेतु प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक वृक्ष अवश्य ही लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे सेवा करने में सदैव ही अग्रणी रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि चुटिया प्रखंड कांग्रेस को मजबूत करने हेतु वे हरसंभव मदद करेंगी।

बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रभारी अरुण चावला ने की।प्रशांत गौरव,प्रखंड अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया। दीपेश पाठक,कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि एक समय रांची की ज़िंदगी कही जाने वाली स्वर्णरेखा नदी जहर में प्रदूषित होकर तब्दील हो गई है।अतः इसे बचाने हेतु हरसंभव प्रयास करने की आवश्यकता है। धन्यवाद ज्ञापन स्वर्णरेखा नदी बचाओ अभियान समूह के प्रणेता नीतेश पाठक ने किया।

इस अवसर पर अरुण चावला,रमा खलखो,पवन तिर्की,पार्षद,प्रशांत गौरव,दीपेश पाठक,महेश राय,विकास सिंह,रमा शंकर दयाल,माखन पाठक,शिवम वर्मा,सरजीत साहू,ऋषभ सिन्हा,प्रदीप कुमार,एजे। हेंब्रम,सबिता कुजूर व अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिला ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्मृति मंच का प्रतिनिधिमंडल,सौंपा ज्ञापन

अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की जयंती और शहादत दिवस को सरकारी स्तर पर धूमधाम से मनाने का किया आग्रह

मेट्रो रेज

रांचीः अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की स्मृति में सम्मान और विभिन्न मांगों को लेकर ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्मृति मंच का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को महामहिम राज्यपाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने किया। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को आठ सूत्री मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

मंच की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की जयंती और शहादत दिवस को सरकारी स्तर पर धूमधाम से मनाया जाए तथा उनकी जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। इसके अलावा उनकी जीवनी को झारखंड के स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की भी मांग की गई।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि धुर्वा स्थित शहीद मैदान से नयासराय रिंग रोड तक की सड़क, झारखंड क्रिकेट स्टेडियम और जे।एन। कॉलेज का नामकरण ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के नाम पर किया जाए। साथ ही एचईसी सेक्टर-3 में स्थापित उनकी प्रतिमा और चौक के रखरखाव की जिम्मेदारी सरकार द्वारा लेने तथा एचईसी क्षेत्र में खाली पड़ी तीन एकड़ भूमि उनके नाम आवंटित कर जनकल्याणकारी परिसर (अतिथिशाला, छात्रावास, वृद्धाश्रम आदि) निर्माण की अनुमति देने की मांग भी शामिल है। लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने कहा कि देश की आजादी में कई वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनमें झारखंड के योद्धाओं की भूमिका भी अहम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहीदों को सम्मान देने में आज भी जाति, धर्म और वोट बैंक को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि उनकी देशभक्ति को आधार बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए छोटानागपुर क्षेत्र को छह महीने तक अंग्रेजी शासन से मुक्त रखा था, लेकिन बाद में अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर 16 अप्रैल 1858 को फांसी दे दी।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को अपनी पीड़ा से अवगत कराया, जिस पर राज्यपाल ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस प्रतिनिधिमंडल में लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, ठाकुर युगल किशोर नाथ शाहदेव, लाल सूरज नाथ शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, लाल सुबोध नाथ शाहदेव और सुनील सिंह हेसल प्रमुख रूप से शामिल थे।

कस्तूरबा की छात्राओं के लिए तकनीकी जागरूकता भ्रमण का आयोजन

सिल्लीः कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली के छात्राओं के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज सिल्ली में बुधवार को तकनीकी जागरूकता भ्रमण का आयोजन किया गया। पॉलिटेक्निक के शिक्षकों ने छात्राओं को मेकैनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, कंप्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभागों की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक मशीनों, नवीन तकनीकों तथा पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स को समझा। छात्राओं को वास्तविक जीवन की चुनौतियों को समझने एवं उनके समाधान के लिए तकनीकी दृष्टिकोण विकसित करने का अनुभव प्राप्त हुआ। छात्राओं को तकनीकी क्षेत्रों में करियर निर्माण के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की शिक्षिका अंजलि कुमारी, लता कुमारी, जयंती कुमारी, सीमा कुमारी एवं शुभांगशी टोप्पो शामिल थी। कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक के प्राचार्य समीर शर्मा एवं फैकल्टी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

आक्रोश पदयात्रा को सफल बनाने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

खलारीः रांची में 25 अप्रैल को प्रस्तावित भाजपा की आक्रोश पदयात्रा की तैयारी को लेकर खलारी में बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू ने की। कार्यक्रम प्रभारी के रूप में विकास दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में आक्रोश पदयात्रा को सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में पदयात्रा की रूपरेखा तैयार करते हुए कार्यकताओं की जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू ने कार्यकताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा के साथ पदयात्रा को सफल बनाने में जुटें तथा जनसमर्थन बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभायें। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा जनभावनाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, इसलिए इसकी सफलता के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए पदयात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन रामसूरत यादव ने किया।

रांची के लोगों को जाम से जल्द मिलेगी राहत

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने को लेकर यातायात पुलिस उठा रही बड़ा कदम

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम से लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए यातायात पुलिस, नगर निगम, एनएचएआई और बिजली विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ा कदम उठाया है। इन विभागों के अधिकारियों द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों पर विस्तृत निरीक्षण किया गया।

रेडियम चौक से न्यू मार्केट तक सड़क चौड़ीकरणः निरीक्षण के दौरान रेडियम चौक से किशोरी यादव चौक और न्यू मार्केट चौक तक सड़क की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों ने पाया कि सड़क किनारे लगे बिजली के पोल और अन्य संरचनाएं जाम का बड़ा कारण बन रही हैं। इसी को देखते हुए बिजली पोल को शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया है ताकि सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से पूरा किया जा सके।

न्यू मार्केट चौक पर ट्रैफिक फ्लो सुधारने की योजनाः न्यू मार्केट चौक को शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक माना जाता है। यहां पर दोनों तरफ लेफ्ट टर्न को फ्री करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके लिए कुछ अतिक्रमण और दुकानों को हटाने की आवश्यकता भी पड़ सकती है। अधिकारियों का मानना है कि इस बदलाव से ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम होगा और वाहनों की आवाजाही सुगम बनेगी।

जाकिर हुसैन पार्क के पास नया गोलचक्कर बनेगाः ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए जाकिर हुसैन पार्क के पास नया गोलचक्कर बनाने का निर्णय लिया गया है। यह कदम शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों के अनियंत्रित दबाव को नियंत्रित करने में मदद करेगा। यातायात पुलिस के अनुसार यह व्यवस्था लागू होने के बाद कई प्रमुख रूटों पर जाम की समस्या में कमी आएगी। नागा बाबा खटाल क्षेत्र में डबल लेन सड़कः नागा बाबा खटाल के पास सड़क को डबल लेन करने की योजना पर भी काम शुरू किया गया है। यह विशेष रूप से रातू रोड की ओर जाने वाले वाहनों के लिए राहत लेकर आएगा। इस क्षेत्र में अक्सर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी होती है।

अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देशः शहर में अवैध पार्किंग को जाम का प्रमुख कारण माना गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए चिन्हित स्थानों पर नए पार्किंग स्टैंड बनाए जाएंगे। साथ ही, नगर निगम के नाम पर अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

सभी विभागों के समन्वय से लागू होगा नया ट्रैफिक प्लानः यातायात पुलिस ने कहा है कि रांची की भौगोलिक स्थिति और बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव बेहद जरूरी है। इसके लिए सभी विभाग मिलकर समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। उद्देश्य यह है कि शहर में यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाया जा सके।

आम लोगों को जल्द मिलेगी राहत की उम्मीदः प्रशासन के इन प्रयासों के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में रांची के लोगों को जाम की समस्या से काफी राहत मिलेगी। यह पूरा प्लान चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा ताकि शहर में स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके।

मारुति महायज्ञ में उमड़ी भीड़

मांडरः प्रखंड के कुरकुरा मंदरो में चल रहे नौ दिवसीय हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह मारुति महायज्ञ के सातवें दिन बुधवार को भगवान को नगर भ्रमण कराया गया। बाजे गाजे के साथ भगवान के नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरा गांव धार्मिक नारों से गुंजायमान रहा और श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते रहे। बाद में यज्ञस्थल पर अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किया गया। यहां प्रत्येक शाम को रामकथा का भी आयोजन किया जा रहा है। मौके पर श्रीराम सेवा समिति कुरकुरा मंदरो के अध्यक्ष संजय शाही, रामचंद्र साही, रंथेश्वर साही, संजय साही, विजय साही, बलवीर सिंह, निरंजन सिंह, ज्ञान सिंह, मनभुलावन सिंह, आनंद किशोर सिंह, गणेश गिरी, देवेंद्र साहू, सुमन मिस्त्री आजाद अंसारी, शमीम अंसारी, मुमताज अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SPECIAL WORKS DIVISION
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, RANCHI.

VERY VERY SHORT TERM NOTICE INVITATION QUOTATION
Quotation Reference No:EE/BCD/Special Work Division BCD, Ranchi/NIQ-03/2026-27
(Rate Purpose Only)

E-quotations are invited for the work of Annual Maintenance Contract of Electrical, Plumbing, Fire Fighting System, DG Set, CCTV, Lift and Parking System Operation, STP, Hot Water System and Deployment of Security Guard at New Jharkhand Bhawan, Bangla Sahib Road, New Delhi for the Period-June,2026 to May,2027 from Reputed Shop Keepers, Manufacturers, Suppliers, Retailers, Distributors, Registered B.C.D. Contractors and other for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items. Then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Term and Condition
1. The quotationer shall furnish pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason thereof.

नोटः–
1. वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि 23.04.2026 के अपराह्न 3:00 बजे।
2. वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि 29.04.2026 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
3. ई–कोटेशन खोलन की तिथि एवं समय 30.04.2026 अपराह्न 3:30 बजे।
4. ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
5. ई–कोटेशन प्रकोष्ठा का दूरभाष सं0–7903899611
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Special Works Division, BCD, Ranchi

PR 378137 Building(26-27).D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना। वहीं निम्न आय वर्ग के लोगों में इससे भरण-पोषण का संकट पैदा हो रहा है। श्रमिक असंतोष के बीच आक्रोश उभरा कि महंगाई के अनुपात में उनकी आमदनी नहीं बढ़ रही, फलतः जीवनयापन कठिन होता जा रहा है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया कि मार्च में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.4 हो गई है, जिसकी वजह पश्चिमी एशिया से उपजा संकट बताया जा रहा है। सवाल यह है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास सिरे क्यों नहीं चढ़ रहे हैं। यदि कदम प्रभावकारी हैं तो फिर महंगाई क्यों बढ़ रही है। वास्तव में खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि को महंगाई का मुख्य कारण बताया जा रहा है। यद्यपि सरकार की दलील है कि खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक की रेड लाइन चार फीसदी से नीचे है। लेकिन वास्तव में स्थिर आय के चलते महंगाई अधिक महसूस की जा रही है। लेकिन लोगों की चिंता यह है कि यदि पश्चिम एशिया संकट का शीघ्र समाधान नहीं निकलता है तो महंगाई की मार असहनीय हो सकती है। यदि समय रहते सरकार की तरफ से ठोस प्रयास किए जाते हैं तो महंगाई पर अंकुश लगाना संभव हो पायेगा।

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्त्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दशार्ता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दशार्ता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है। निर्विवाद रूप से दोनों राज्यों के बीच अंतर्राज्यीय गलियारे व्यापार, श्रम गतिशीलता और क्षेत्रीय एकीकरण की जीवन रेखा के पर्याय होते हैं। यदि हम व्यापक स्तर पर इस समस्या को देखें तो यह घटनाक्रम देश के संघवाद की भावना पर भी प्रश्न उठाता है। यह एक हकीकत है कि वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी ढांचे द्वारा समर्थित हमारी आर्थिकी की संरचना का लक्ष्य आंतरिक व्यापार बाधाओं को कम करना है। दूसरे अर्थों में देखें कि बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों पर असमान रूप से लक्षित करके अतिरिक्त प्रवेश-कर लगाना, इस उद्देश्य को कमजोर कर सकता है। जो अतीत की उस दोषपूर्ण ह्यचेक पोस्टह्न अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकती है, जो तमाम विसंगतियों को लिए हुए थी। निर्विवाद रूप से ऐसे मामलों में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होगी। यदि राज्य का राजस्व वृद्धि ही लक्ष्य है तो इसके लिये तर्कसंगत टोल प्रणाली को अपनाना होगा। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे के रखरखाव से जुड़े लक्षित उपयोगकर्ता शुल्क जैसे विकल्पों पर भी विचार करना होगा।

संवादहीनता के चलते महिला आरक्षण पर गतिरोध

भारतीय राजनीति में ह्यमहिला वोट बैंकह्न बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उल्लेखनीय परियोजना, जिसके जरिए वे जाति और वर्ग, दोनों की राजनीति को पछाड़ने की उम्मीद रखे हुए हैं, पिछले 12 सालों में वह कल्पनातीत रूप से काफी कारगर रही है। मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया है- शुरूआत गांव के छोटे घरों में इस्तेमाल होने वाले, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों को ह्यउज्ज्वलाह्न स्कीम के तहत गैस सिलेंडर से बदलने की मुहिम से हुई, और फिर उनके बैंक खाते में पैसे डाले गए, खासकर उनके राज्यों में चुनावों से पहले।

विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। दरअसल, इस बार नए विधेयक पर आम सहमति न तो चाही गई और न ही हासिल की गई क्योंकि इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में परस्पर बातचीत नहीं हुई। जबकि 2023 में कांग्रेस समेत विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया था। भारतीय राजनीति में ह्यमहिला वोट बैंकह्न बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उल्लेखनीय परियोजना, जिसके जरिए वे जाति और वर्ग, दोनों की राजनीति को पछाड़ने की उम्मीद रखे हुए हैं, पिछले 12 सालों में वह कल्पनातीत रूप से काफी कारगर रही है। मोदी ने हाल के दिनों में किसी भी दूसरे पुरुष नेता से ज्यादा महिलाओं की शिकायतें सुनने का प्रयास किया है- शुरूआत गांव के छोटे घरों में इस्तेमाल होने वाले, धुआं पैदा करने वाले चूल्हों को ह्यउज्ज्वलाह्न स्कीम के तहत गैस सिलेंडर से बदलने की मुहिम से हुई, और फिर उनके बैंक खाते में पैसे डाले गए, खासकर उनके राज्यों में चुनावों से पहले।

तो फिर, महिला आरक्षण बिल, जिसे पेश करने की अगुवाई प्रधानमंत्री ने लोकसभा में की, यहां तक कि कुछ राज्यों में जारी चुनाव प्रचार के बीच में संसद का विशेष सत्र बुलाया, वह स्वीकृत क्यों नहीं हो पाया? क्या भारत की महिलाएं राष्ट्रीय ह्यनारी शक्तिह्न का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं? इसका जवाब जटिल है, जाहिर है, शुरूआत इस तथ्य से होगी कि देवियों में हमारी गहरी आस्था के बावजूद, दुर्गा से लेकर काली, सरस्वती और लक्ष्मी और भी बहुत सारी, आप पूछ सकते हैं कि भारत में पुरुष-प्रधान समाज की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। अवश्य ही, हम महिलाएं ही उन जड़ों को सींचने और अपना ही नुकसान करने के लिए ज़िम्मेदार हैं। वरना हरियाणा में महिला-पुरुष अनुपात (879/1,000), पंजाब (895/1,000) व दिल्ली (868/1,000) न होता –मानें या न मानें, 1000 पुरुषों पर 818 महिलाओं के साथ चंडीगढ़ का आंकड़ा देशभर में सबसे नीचे है, राष्ट्रीय सूची में ये सब नीचे क्यों है? (हालांकि हरियाणा का दावा है कि पिछले साल उसका आंकड़ा बढ़कर प्रति 1,000 पुरुषों पर 914 महिलाएं हो गया है।) सवाल उठता है कि केरल के बराबर आबादी वाला पंजाब, दोनों की आबादी लगभग 3 करोड़ है, लिंगानुपात के पैमाने पर देशभर में दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य क्यों है? केरल (1,084), तमिलनाडु (996), आंध्र प्रदेश और कर्नाटक (दोनों 993) जैसे दक्षिणी राज्यों का प्रदर्शन उत्तरी राज्यों की तुलना में इस पैमाने (और अन्य कई सामाजिक-आर्थिक मापदंडों पर भी) इतना बढ़िया क्यों है? दूसरा सवाल पूछना बनता है कि विपक्षी दल महिला आरक्षण बिल के खिलाफ क्यों हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लाए उस विधान का समर्थन क्यों नहीं किया, जिससे भारतीय राजनीति में उलटफेर होना तय है? क्या विपक्ष महिला विरोधी है? पिछले कुछ दशकों में महिला आरक्षण कानून का सफर काफी लंबा रहा, जैसा कि मेरी सहयोगी सूर्या पिल्लई ने इस विषय पर कुछ दिन पहले बहुत बढ़िया लिखा था। सच तो यह है कि 2008 में कांग्रेस नीत यूपीए ने ही संसद में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पेश किया था, और सुनिश्चित किया कि 2010 में पास हो जाए, राज्य सभा में भी, ताकि यह ह्यलैप्सह्न न हो (तय अवधि में पास होना अनिवार्य है, परंतु जब कोई कानून राज्यसभा में पास हो जाए, तब ह्यलैप्सह्न नहीं होता)। कांग्रेस को अहसास था कि महिला आरक्षण बिल पर उसकी अपनी यूपीए बंटी हुई है (आरजेडी नेता शरद यादव ने ह्यपर कटी महिलाएंह्न जैसा कटाक्ष किया था और समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव ने तो यह तक कह डाला कि अगर संसद महिला आरक्षण कानून पास कर देगी तो यह उन महिलाओं के लिए दरवाजे खोल देगा ह्यजिन पर फब्ती कसी जाती और सीटियां बजती हैंह्न, ये बिल पर आपसी मतभेद दशार्ता है), जिसका मतलब था कि उसके पास अपने समय की लोकसभाओं में इसे पास करा लेने को कभी भी पर्याप्त संख्या नहीं रही, लिहाजा उन्होंने दूसरा बेहतर विकल्प चुना। कांग्रेस के जोर देने पर मोदी सरकार ने 2023 में यह काम आगे बढ़ाया और सुधार करने के बाद कानून पास किया गया। इसीलिए 2023 में, कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एकमत से पास कराने में भाजपा का साथ दिया। और 2026 के बिल में भी यही संदेश मिलना चाहिए था- आम सहमति। जिस प्रकार 2023 में पूरी संसद इस मुद्दे पर सर्वसम्मत थी- केवल दो सांसदों ने बिल के खिलाफ वोट दिया था- संसद में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने के समर्थन में। इस बार प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और शेष वरिष्ठ भाजपा नेतृत्व को चाहिए था कि विपक्ष को बुलाकर महिला आरक्षण बिल पर उनका समर्थन मांगते। यह भी हो सकता था कि एक संयुक्त संसदीय समिति या कोई विशेष समिति, जिसमें सभी दलों के प्रतिनिधि होते, इस कानून की तमाम धाराओं पर बारीकी से बहस करते -मसलन, क्या इसमें अन्य पिछड़ी जातियों और दलित महिलाओं के लिए ह्यकोटे के अंदर कोटाह्न होगा- और एक बार आम सहमति बन जाने के बाद, नया कानून और उसे लागू करने की रूपरेखा को सदन में रखा जाता। बदकिस्मती से, न तो आम सहमति बनानी चाही और न ही हासिल की जा सकी क्योंकि कोई संवाद नहीं हुआ। इन दिनों संसद इस कदर बंटी हुई है कि सांसद एक-दूसरे से अपमानजनक रूप से बोल रहे हैं, इसके लिए एक बड़े दिल वाले और छोटे अहम वाले नेता की जरूरत है, जो छोटी-मोटी बातों और चालबाजियों को भुलाकर दूसरे पक्ष से मेल-मिलाप रखे और संवाद करे। साफ है, महिला आरक्षण बिल का भी वही हाल हुआ है जो 2020 में तीन कृषि कानूनों का हुआ था। ठीक वैसे ही जिस प्रकार केंद्र को तीनों कानून वापस लेने पड़े, क्योंकि उन्हें लाने से पहले किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के साथ बहुत कम संवाद या चर्चा की गई थी -शायद पंजाब के एक हिस्से में बतौर पायलट प्रोजेक्ट इन कृषि कानूनों का प्रयोग किया जा सकता था, जिससे दोनों पक्षों को कोई राह मिल जाती- उसी तरह सत्ता पक्ष महिला आरक्षण कानून पास कराने लायक संख्या नहीं जुटा पाया। प्रधानमंत्री लोकसभा में विपक्ष के नेता से कह सकते थेः ह्यआइए मिलकर इतिहास लिखें। अब समय आ गया है कि महिलाएं कम से कम एक-तिहाई आसमान छूएं। यूं तो देश की कुल आबादी में महिलाओं की गिनती 48-49 प्रतिशत है,

थलापति की एंट्री से त्रिकोण में उलझी तमिल राजनीति

तमिलनाडु की जनता को 23 अप्रैल को जनादेश देना है। तमिलनाडु की परंपरागत सियासत से हटकर इस बार स्थिति में काफी असमंजस है। तमिलनाडु की राजनीति के दो बड़े ध्रुव डीएमके और अन्ना द्रमुक का आपसी संघर्ष इस बार अलग तरह के त्रिकोण में फंसा है। राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाले दोनों ही बड़े दलों के गठबंधन में छोटी पार्टियों के अदल-बदल की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती रही है। लेकिन इस बार के त्रिकोण में फिल्म से राजनीति में आए जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी नई पार्टी टीवीके को सभी सीटों पर चुनाव लड़ाकर तमिल राजनीति को अलग आयाम दे दिया है।

विजय थलापति यानी कमांडर के नाम से जाने जाते हैं। विजय को लेकर दोनों गठबंधनों में खींचतान रही। लेकिन विजय ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। तमिलनाडु मे वह कितनी सीटें जीत पाए यह कयास ही लग सकता है लेकिन वह दोनों गठबंधनों मे किसी एक का समीकरण बिगाड़ने में सक्षम हैं। तमिलनाडु की जनता को 23 अप्रैल को जनादेश देना है। तमिलनाडु की परंपरागत सियासत से हटकर इस बार स्थिति में काफी असमंजस है। तमिलनाडु की राजनीति के दो बड़े ध्रुव डीएमके और अन्ना द्रमुक का आपसी संघर्ष इस बार अलग तरह के त्रिकोण में फंसा है। राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाले दोनों ही बड़े दलों के गठबंधन में छोटी पार्टियों के अदल-बदल की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती रही है। लेकिन इस बार के त्रिकोण में फिल्म से राजनीति में आए जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी नई पार्टी टीवीके को सभी सीटों पर चुनाव लड़ाकर तमिल राजनीति को अलग आयाम दे दिया है। डीएमके के साथ इस समय कांग्रेस सहित 22 पार्टियां चुनाव मैदान में हैं। द्रमुक ने अन्ना द्रमुक के तपे तपाए नेता प्लानी स्वामी को अपने साथ जोड़कर पहला पासा फेंका है। डीएमके ने एआईडीएमके के दस साल पुराने शासन को समाप्त कर सत्ता हासिल की थी। उस समय प्लानीस्वामी ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। अन्ना द्रमक की नेता जयललिता के निधन के बाद अन्ना द्रमुक के आंतरिक झगड़ों का लाभ द्रमुक ने भरपूर उठाया । विधानसभा चुनाव की शानदार सफलता को उसने लोकसभा में भी दोहराया। राज्य में अन्ना द्रमुक और सहयोगी बीजेपी कोई सीट हासिल नहीं कर सकी। स्टालिन ने प्रचार के परंपरागत तरीके बदले । केंद्र से भाषा और अधिकार की बात पर सीधा टकराव करके अपने को तमिल हितों का रक्षक बताने की कोशिश की। कलेग्नार मगलीर उरीमाई थिट्टम, महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा, सीएम ब्रेक फास्ट स्कीम, गैस सब्सिडी जैसी योजनाएं चलाकर उन्होंने जनता को साधने की कोशिश की।

तमिल क्षेत्रीय भावनाओं को उभारने के लिए हिंदी विरोध के पुराने राग को छेड़ते हुए स्टालिन काफी आगे निकल गए। त्रिभाषा फामूर्ले पर द्रमुक ने लोगों को जमकर उकसाने की कोशिश की। संकीर्ण राजनीतिक कारणों से हिंदी विरोध की जड़ों को जमकर सींचा गया। द्रमुक अहसास कराती रही है कि बीजेपी बाहरी पार्टी है। द्रमुक के लिए इस बार के चुनाव कई मायनों में आसान नहीं हैं। स्टालिन द्वारा अपने बेटे उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाने और सियासत में उभारने की कोशिशों के चलते पार्टी में छिपा आंतरिक विरोध दिखता है। द्रमुक सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहे हैं। सत्ता विरोधी माहौल में नशीले पदार्थ का मुद्दा आग में घी का काम कर रहा है।

कांग्रेस की राज्य में 1967 के बाद से अपनी सरकार नहीं बन सकी। भक्तवत्सलम राज्य के आखिरी कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। अन्ना दुरई के नेतृत्व में डीएमके ने कांग्रेस को पराजित किया था। इसके बाद तमिलनाडु में राष्ट्रीय पार्टियां उभर नहीं पाईं। इस दौर में कांग्रेस द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव तो लड़ती है लेकिन द्रमुक सत्ता में उसकी भागेदारी नहीं होने देता। द्रमुक और कांग्रेस के बीच इस बार का गठबंधन बहुत गर्मजोशी के साथ नहीं हुआ। लेकिन कांग्रेस को अहसास है कि लोकसभा में उसकी 99 सीटों में तमिलनाडु की नौ सीटों का अपना महत्व है। इसलिए कांग्रेस दक्षिण के इस प्रमुख राज्य में अन्ना द्रमुक और बीजेपी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए द्रमुक का साथ देती है। तमिलनाडु में 234 सीटों में द्रमुक ने 164 सीटें अपने पास रखी है। कांग्रेस को पिछली बार से तीन ज्यादा 28 सीटें दी गई हैं। विजयकांत की पार्टी डीएमडीके को 10 सीटें दी गई हैं। सीपीआई और सीपीआईएम को पांच पांच सीटें दी गई हैं। लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी अन्ना द्रमुक और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर लंबा मंथन हुआ। लेकिन जयललिता के निधन के बाद लगातार कमजोर हो रही अन्ना द्रमुक के लिए यह चुनाव काफी अहम है। अन्ना द्रमुक ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। पीएमके 18 एएमएमके 11 टीएमसी एम कमल के चिन्ह पर पांच सीटों पर लड़ रही है।

तमिलनाडु की दोनों पार्टियां द्रमुक और अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता को लेकर एक लाइन रही हैं। गौरतलब है कि ज?ललिता के समय अन्ना द्रमुक के घोषणापत्र में राम मंदिर का जिक्र भी था। अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता और गौरव की बात तो करती है लेकिन मुद्दों पर बहुत आक्रामक नहीं होती। डिजिटल निमंत्रण में नहीं रिश्तों की धड़कन' : वर्ष 2004 से पहले द्रमुक एनडीए का हिस्सा था। बीजेपी की सियासी भूल में इस बात को शामिल किया जाता है कि अगर द्रमुक को एनडीए से अलग नहीं किया होता तो बीजेपी की सरकार नहीं गिरती।

हिमालयी पर्यावरण को तीर्थयात्रियों के दबाव से बचाएं

हिमालय की अति संवेदनशील पर्यावरणीय स्थिति को देखते हुए चारधाम यात्रा के लिए प्रतिदिन तीर्थयात्रियों की संख्या तय होनी जरूरी है। लेकिन स्थानीय हितधारकों के दबाव के चलते राज्य में यह सीमा एक बार लागू करके वापस ले ली गयी। बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के चलते सुरक्षा उपाय अनिवार्य हैं।

अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त से उत्तराखंड की चारधाम यात्रा ग्रीष्मकाल के लिए शुरू हो चुकी है। देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु ऑनलाइन यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। सवाल अभी भी अनुत्तरित है कि हिमालय की अति संवेदनशील पर्यावरणीय स्थिति को देखते हुए आखिर कितने तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा एक ही दिन में एक साथ कर सकते हैं।

हरित प्राधिकरण यानी एनजीटी भी बार-बार उत्तराखंड सरकार पर जोर डाल रहा है कि वह चारों धामों की कैरीइंग कैपेसिटी (धारण क्षमता) का वैज्ञानिक अध्ययन करवाकर रिपोर्ट पेश करे ताकि कानूनन आगंतुकों की संख्या तय की जा सके। लेकिन होटल, ढाबा, पुजारियों और अन्य हितधारकों का इतना दबाव है कि उनकी नाराजगी से सीधे राजनीतिक संभावनाओं पर असर का जोखिम है। इसी दबाव के चलते 2022 में यात्रियों की तय सीमा को 2023 में स्वयं ही समाप्त कर दिया गया। लेकिन अब एनजीटी व पर्यावरणवादी इस मुद्दे को उठा रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, पहले से ही बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के संकट से घिरे इस क्षेत्र पर त्रासदियों की संख्या और आवृत्तियों में वृद्धि होती जा रही है। हिमालय एशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही उपमहाद्वीप का मौसम नियंत्रक भी है, इसलिये हिमालय के संकट को मात्र स्थानिक दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। पिछले 25 साल में उत्तराखंड स्थित चारों हिमालयी धामों में यात्रियों के साथ ही वाहनों की संख्या भी कई गुना बढ़ती जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कुल यात्रियों की संख्या वर्ष 2025 में 51,09,848 तक पहुंच गई है। वहीं वाहनों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। वाहनों से जो प्रदूषणकारी उत्सर्जन होता है, उसमें कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, फोटोकैमिकल ऑक्सीडेंट, वायु विष यानी बेंजीन, एल्डिहाइड, ब्यूटाडीन, सीसा, पार्टिकुलेट मैटर, हाइड्रोकार्बन व सल्फर के ऑक्साइड आदि शामिल होते हैं।

आपके पत्र

एक युग का अंत

भारतीय संगीत जगत गहरे शोक में डूबा हुआ है, क्योंकि आशा भोंसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने अपने जीवन के बानवे वर्षों में जो संगीत साधना की, वह केवल एक कलाकार का सफर नहीं था, बल्कि वह भारत की सांस्कृतिक आत्मा की आवाज बन गया था। उनके निधन के साथ ही एक ऐसा युग समाप्त हो गया है जिसने पीढ़ियों को सुरों से जोड़े रखा और संगीत को जीवन का उत्सव बना दिया।

आशा भोंसले का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रसिद्ध कलाकार थे और घर में संगीत का वातावरण था। लेकिन बचपन आसान नहीं था। पिता के निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट छा गया। इस कठिन समय में इस परिवार ने कई कुछ सीखा।

अनुराग, रांची

0

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

जिला आपूर्ति पदाधिकारी को फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन ने मांग पत्र सौपा

साहिबगंज : फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन साहिबगंज का एक शिष्टमंडल प्रदेश सचिव सह अध्यक्ष जय प्रकाश सिहां के नेतृत्व में जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं प्रखंड आपूर्ति प्राधिकारी से मिलकर चार सूत्री मांग पत्र सौपा।संघ के अध्यक्ष जय प्रकाश सिन्हा ने बताया कि साहिबगंज नगर एवं ग्रामीण दोनों जगहो के डीलरों के खाद्यान्न साथ-साथ मुहैया कराया जाए एवं प्रत्येक महीने के 10 तारीख तक आपूर्ति कर,डीएसडी कर दिया जाए ताकि वितरण सुचारू रूप से हो सके,उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक तराजू में हमेशा किसी न किसी डीलर के साथ खराबी रहती है।इसलिए एक टेक्नीशियन को स्थाई रूप से साहिबगंज में रखा जाए जिससे वितरण प्रभावित न हो एवं मरम्मति राशि से डीलरों को मुक्त किया जाए,क्योंकि डीलरों पर अनावश्यक खर्च का बोझ नहीं आये,वही डीलरों का सभी बकाया कमीशन अभिलंब भुगतान करवाया जाए,साथ ही सभी डीलरों को खाद्यान्न आवंटन के हिसाब से पूरा दिया जाए,किसी भी तरह का खाद्यान्न कटौती करके बाद में समायोजन की परंपरा समाप्त की जाए,जिससे डीलरों में भ्रम उत्पन्न नहीं हो,गोदाम से सही माप एवं साफ खाने योग्य खाद्यान्न की आपूर्ति की जाए।श्री सिन्हा ने डीलर महिपाल तांती के निधन के बाद उनकी पत्नी को अभिलंब अनुकंपा पर बहाल किया जाए,ताकि उनके दुकान का खाद्यान्न वितरण इस माह नियमित रूप से उनके दुकान से ही हो सके।शिष्टमंडल में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव सह अध्यक्ष जयप्रकाश सिहां,उपाध्यक्ष महेंद्र पासवान,सचिव अनवरअली सहसचिव अशोक कुमार शाह,कोषाध्यक्ष भगवान जोशीसमेत कई डीलर उपस्थित रहे।

प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की भी मांग की

साहिबगंज : जिले के पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता सह केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने पर्यटन कला संस्कृति,खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री संदीप कुमार सोनू से रांची मे मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा।इस ज्ञापन में विशेष मौके पर झामुमो केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा ने मंत्री से बरहेट प्रखंड स्थित प्रसिद्ध शिवगादी धाम के समुचित विकास, सुंदरीकरण व श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की मांग की,साथ ही साहिबगंज जिले के अन्य ऐतिहासिक,धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के संरक्षण,सौंदर्याकरण और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की भी मांग की गई।मौके पर झामुमो युवा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी, शिवगादी प्रबंध समिति के अध्यक्ष रूपक कुमार साह मौजूद थे।

लोन की बकाया राशि लेने पहुंचे फाइनेन्स कर्मी पर धारदार हथियार से हमला

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र के केंदुआ बिधानपुर गाँव में महिला समूह से लिये गया ग्रुप लोन की बकाया राशि मांगने पहुँचे सेव माइक्रो फाइनेंस के रतनपुर स्थित शाखा के प्रबंधक मो.गुलफराज को धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला प्रकाश में आया है।हलाँकि मो.गुलफराज पिता-मो.साहुल गोड्डा जिला के खुट हरि के निवासी है,जो बरहरवा में सेव माइक्रो फाइनेन्स कंपनी में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत है।मामले को लेकर घायल प्रबंधक गुलफराज पिता-मो साहुल ने बताया की केंदुआ बिशनपुर गांव निवासी बीना देवी पति नयन रजक ने सेव माइक्रो फाइनेन्स कम्पनी से पचास हजार रुपये का लोन हमारी शाखा के माध्यम से लिया था जिस लोन की किस्त हर महीने जमा करनी पड़ती है कुछ दिन लोन की किस्त जमा करने के बाद अचानक से किस्त जमा करना बंद कर दी लगभग 6-7 महीने बीत जाने के बाद हमारे शाखा में ऑडिट टीम आई हुई थी। जो शाखा द्वारा लेनदेन की लेखा-जोखा की जांच कर रही थी इसी क्रम में जिन-जिन महिलाओं के लोन में ओ.डी लगे हुए थे उनसे पैसे की रिकवरी करने के निर्देश दिए गए थे।जिसमें बिना देवी का भी नाम था,बुधवार को शाखा प्रबंधक गुलफराज एरिया मैनेजर समरेश सिंह एवं ऑडिट डिपार्टमेंट से विश्वजीत राय तीनो सुबह लगभग 9:30 बजे बिना देवी के घर केंदुआ पहुँचा ,और बिना देवी से बकाया राशि 26693/- रुपये चुकाने की बात कहीं उसी समय बिना देवी के पति नयन रजक और पुत्र श्रीनाथ रजक अभद्रता से गाली गलौज करने लगा और धमकी देने लगा कोई पैसे नहीं मिलेगा पैसा माँगने मत आना नहीं तो मार देंगे समझाने पर घर के अंदर से हमला करने की मंशा से तलवार नुमा धारदार हथियार लहराने लगा,तीनो सहकर्मी अफरातफरी में मुड़कर भागने लगे तभी श्रीनाथ रजक ने हथियार चलाकर हमला कर दिया जो गुलफराज के पैरों में लगा जिसके बाद भारी मात्रा में पैर से खून बहने लगा,आनन फानन में वहाँ से भागकर अस्पताल पहुँचा और 112 नम्बर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी,इस घटना में से शाखा प्रबंधक के पैरों में गंभीर चोटें आई है बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज में गहरे घाव है जिसमें 5 से 7 टाँके लगे है पैर के नस कटने की भी आशंका जताई गई है ,चिकित्सक ने बेहतर जाँच और इलाज के सुझाव दिए है।पीड़ित ने घटना को लेकर रांगा थाना में लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्यवाही की है,वहीं मामले को लेकर रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन कि जा रही है।

सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समयसीमा पर पूर्ण करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट से संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के अंतर्गत स्वीकृत पूर्ण एवं अपूर्ण योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में कार्यकारी एजेंसियों द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 की अधिकांश योजनाएं प्रगति पर हैं। इस पर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ योजनाओं में प्रगति रिपोर्ट में कार्य पूर्ण दशार्या गया है।जबकि वास्तविकता में कार्य अधूरा है। इस पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसे सभी मामलों का अद्यतन प्रतिवेदन तत्काल प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट किया कि कार्यों की प्रगति रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक एवं पारदर्शी होनी चाहिए।वित्तीय वर्ष 2025-26 की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग फील्ड स्तर पर की जाए, ताकि आम जनता को योजनाओं का लाभ शीघ्र एवं प्रभावी रूप से प्राप्त हो सके।बैठक में कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम , ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा विभाग, नगर परिषद एवं समेकित जनजातीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में जिन प्रमुख परियोजनाओं पर विशेष चर्चा की गई, उनमें साहिबगंज स्थित शकुंतला घाट पर स्थायी सीढ़ी घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य, सदर अस्पताल जाने वाले मार्ग के चारदीवारी एवं उद्यानिकी कार्य, मंडरो प्रखंड के पंचायत सिमडा अंतर्गत वार्ड संख्या-06 मेंआंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, बरहेट प्रखंड के ग्राम लबरी में पीडी सड़क से विद्यालय तक पीसीसी सड़क निर्माण, मंडरो प्रखंड के एचएससी सिरसा में चारदीवारी एवं अन्य निर्माण कार्य, बरहेट प्रखंड के मध्य विद्यालय बरहेट में अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण, पतना प्रखंड के ग्राम तलबड्िया में फुटबॉल मैदान की गैलरी निर्माण, सकडोगढ़ स्थित तालाब के किनारे रिटेनिंग वॉल निर्माण, शिवगादी धाम के समीप 20 इकाई शौचालय-सह-स्नानघर निर्माण तथा बड़हरवा प्रखंड के ग्राम प्लासबोना में कब्रिस्तान के समीप सीढ़ी घाट निर्माण शामिल हैं।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आवासीय बालक फुटबॉल एवं एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के लिए चयन 28 को

डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स, साहेबगंज के लिए 29 अप्रैल एवं डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स, सकरीगली के लिए चयन 30 अप्रैल को

संवाददाता

साहिबगंज : खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची के निदेश के आलोक में जिला खेल कार्यालय, साहेबगंज द्वारा नव सृजित आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र , बरहेट के 25 खिलाड़ियों एवं पूर्व से संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज के रिक्त पदों के लिए सिंगा मैदान,बरहेट थाना के समीप प्रातः 6:00 बजे से एन.एस.टी.सी.नॉर्म्स के आधार पर चयन किया जाएगा। नियम एवं शर्तें चयन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की उम्र सीमा 10 वर्ष से 14 वर्ष 1 अप्रैल2016 से 1 अप्रैल2012 के बीच जन्म तिथि होनी चाहिए।प्रतिभागियों को आधार कार्ड,नगर निगम अथवा पंचायत सचिव द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र,दो पासपोर्ट साइज फोटो, स्कूल का बोनाफाइड, झारखंड का निवासी होना अनिवार्य होगा।देय सुविधा - चयनित प्रशिक्षुओं को विभाग द्वारा उच्च क्वालिटी का भोजनादि एवं आवासन निःशुल्क देय होगा। चयनित प्रतिभागियो को खेल विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए उत्कृष्ट प्रशिक्षक के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण, खेल किट, खेल उपकरण, खेल सामग्री समेत अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

डे बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र

डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज के लिए दिनांक 29 अप्रैल, 2026 को सिद्धो कान्हु स्टेडियम,साहेबगंज में प्रातः 6:00 बजे से एवं डे बोर्डिंग बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र,सकरीगली के रिक्त स्थानों के लिए दिनांक 30 अप्रैल, 2026 को +2 बी.डी.उच्च विद्यालय में प्रातः 6:00 बजे से एन एस टी सी नॉर्म्स के आधार पर चयन किया जाएगा।नियम एवं शर्तें चयन में भाग लेने वाले प्रतिभागी 05 किलो मीटर दूरी तक के ही होंगे जिनकी उम्र सीमा 08 वर्ष से 12 वर्ष 1 अप्रैल2018 से 01 अप्रैल.2014 के बीच होनी चाहिए।प्रतिभागियों को आधार कार्ड, नगर निगम अथवा पंचायत सचिव द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, स्कूल का बोनाफाइड लाना एवं झारखंड का निवासी होना अनिवार्य होगा।

देय सुविधा चयनित प्रतिभागियो को खेल विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए खेल छात्रवृति एवं योग्य प्रशिक्षक के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण, खेल किट प्रदान की जाएगी।

अधिकारियों से संपर्क कर मामले की जांच कर जल्द से जल्द निदान करें : प्रतिनिधि

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : विधायक कक्ष बरहरवा में आयोजित जनता दरबार में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने फरियादों की समस्याएं सुनी।विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्या को लेकर प्रखंड के विभिन्न पंचायत से आए फरियादियों ने लगाई गुहार।मयूरकोला पंचायत के फुलचूवा ग्राम के लाल सुंदर घोष प्रधानमंत्री आवास का दूसरा किस्त का भुगतान नहीं मिलने से संबंधित समस्या को लेकर पधारे।बरकत खान ने विभागीय पदाधिकारी से जांच कर समस्या का निदान करने को कहा।रूपसपुर पंचायत के नूराई एवं पथरिया पंचायत के निश्चिंतपुर ग्राम के ग्रामीणोंगण बिजली के ट्रांसफार्मर जल जाने की शिकायत को लेकर पहुंचे इसपर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने ग्रामीणों के आवेदन को अनुशंसा करके बिजली विभाग को सुपुर्द कर जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली बहाल कराने की बात

कही। रिसोर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चांदपुर की रसोइया चाइना देवी ने विगत एक वर्ष से मानदेय ना मिलने की शिकायत की।इस पर विधायक प्रतिनिधि ने विभागीय पदाधिकारी से वातार्लाप कर जल्द से जल्द मानदेय भुगतान कराने की बात कही।सातगाछी पंचायत अंतर्गत सातगाछी ग्राम के अब्दुल हासेन ने विकलांग पेंशन का भुगतान विगत चार महीने से नहीं होने की शिकायत की इस पर बरकत खान ने संज्ञान लेते हुए जांच करवा कर समस्या का निदान करवाया। रिसोर पंचायत के गोपालपुर ग्राम की दो महिलाएं माला देवी एवं लक्ष्मी देवी का मुख्यमंत्री राज्य वृद्धा पेंशन योजना आवेदन को अनुशंसा कर विभाग में ऑन लाइन हेतु भेजा गया।इसके अलावे मईया सम्मान योजना अन्तर्गत पेंशन का भुगतान बन्द होने राशन कार्ड में नाम गलत हो जाने बिजली का मीटर जल जाने जमीन का रसीद निर्गत नहीं होने से संबंधित शिकायत से भी लोगों ने अवगत कराया।सभी समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए बरकत खान ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर मामले की जांच कर जल्द से जल्द निदान कराने को कहा।मौके पर वार्ड पार्षद छोटेलाल रामानी, इब्राहीम शेख,सुभोजित मिश्रा, गणेश साहा सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्राधिकार ने विशेष जागरूकता अभियान चलाया

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में पूरे जिले में पीएलवी -न्याय मित्रों द्वारा सघन एवं प्रभावशाली जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों सार्वजनिक स्थलों स्कूल, कॉलेजों एवं बाजार क्षेत्रों में जागरूकता की गई, जहाँ स्वच्छ पर्यावरण-सुरक्षित जीवनह्व जैसे संदेशों के साथ लोगों को प्रेरित किया गया। बैनर, पोस्टर और जनसंवाद के माध्यम से आमजन तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुँचाया गया। जबकि प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण न केवल एक अधिकार है बल्कि यह हमारे अस्तित्व की बुनियाद भी है। उन्होंने कहा कि यदि आज हम प्रकृति के प्रति जिम्मेदार नहीं बने तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।उन्होंने पर्यावरण से जुड़े विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि जल, वायु एवं भूमि प्रदूषण को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं और इनका उल्लंघन दंडनीय है। साथ ही, उन्होंने लोगों से अपील की कि वे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता को अपनाकर बड़े परिवर्तन का हिस्सा बनें।

कार्यक्रम के दौरान सरकारी पर्यावरणीय योजनाओं, हरित पहल, एवं निःशुल्क विधिक सहायता से जुड़े प्रावधानों की जानकारी भी विस्तार से दी गई। आम नागरिकों को पंपलेट वितरित कर उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया।इसके अतिरिक्त, नालसा की हेल्पलाइन संख्या 15100 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, ताकि पर्यावरण से जुड़े किसी भी अधिकार हनन या सहायता की आवश्यकता होने पर लोग तुरंत संपर्क कर सकें।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुँचाना तथा उन्हें उनके विधिक अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छ एवं हरित साहिबगंज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

अभिभावक भैया बहनों को घर का बना हुआ पौष्टिक आहार ही दें : निर्मला

संवाददाता

साहिबगंज : विद्या भारती विद्यालय, जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में शिशु वाटिका कक्षा अरुण,उदय एवं प्रभात के भैया बहनों के अभिभावकों की गोष्ठी का आयोजन किया गया।अभिभावक गोष्ठी का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित,शिशु वाटिका के साहिबगंज विभाग प्रमुख किरण कुमारी गुप्ता,सह प्रमुख निर्मला कुमारी,टीनू कुमारी एवं अभिभावकों के द्वारा सरस्वती माता,ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया।किरण कुमारी गुप्ता ने शिशु वाटिका के बारह व्यवस्थाओं की जानकारी दी जिसके तहत कक्षा के भैया बहनों का पठन-पाठन प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।निर्मला कुमारी ने बताया कि अभिभावक भैया बहनों को घर का बना हुआ पौष्टिक आहार दें।कक्षा क्रियात्मक विधि से संचालित हो और इस कार्य के लिए अभिभावक की महती भूमिका होनी चाहिए।सुनील पंडित ने बताया कि भैया बहन समय का पालन करें,मोबाइल से दूरी बनाएं,दिवस के अनुसार वेष पहनकर विद्यालय आएं।

गन्ना विकास योजना से कृषि यंत्रों का वितरण किसानों को मिला बड़ा सहारा

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में कृषि क्षेत्र को सशक्त एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ह्लगन्ना विकास योजनाह्व के अंतर्गत किसानों के बीच आधुनिक कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम कार्यालय सहायक निदेशक, गन्ना विकास, साहिबगंज के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लाभुक किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कृषि पदाधिकारी श्री प्रमोद एक्का एवं सहायक निदेशक गन्ना विकास पदाधिकारी श्री अमितेश रंजन की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अधिकारियों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर खेती को अधिक सरल, सुरक्षित और लाभकारी बनाना है।आधुनिक यंत्रों का वितरण कार्यक्रम के दौरान किसानों के बीच उनकी आवश्यकता के अनुरूप कुल 22 पावर स्प्रेयर एवं 4 पावर वीडर का वितरण किया गया। ये सभी उपकरण विशेष रूप से गन्ना खेती में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध कराए गए हैं।पावर स्प्रेयर सुरक्षित और प्रभावी छिड़काव वितरित किए गए पावर स्प्रेयर पेट्रोल से संचालित होते हैं और लगभग 30 मीटर तक दवा का प्रभावी छिड़काव करने में सक्षम हैं। इसकी सहायता से किसान खेत के बाहर खड़े होकर ही फसल पर दवा का छिड़काव कर सकते हैं जिससे घने गन्ने के खेत में जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इससे गन्ने की पत्तियों से होने वाली चोटों का जोखिम भी खत्म होता है और समय व श्रम की बचत होती है।पावर वीडर निराई-गुड़ाई में सहायक आधुनिक उपकरण : पावर वीडर एक बहुउपयोगी कृषि यंत्र है जो खेतों में निराई-गुड़ाई के कार्य को सरल और तेज बनाता है। यह मशीन फसल की कतारों के बीच उगने वाले खरपतवार को प्रभावी रूप से हटाती हैजिससे फसल को पर्याप्त पोषण मिलता है। साथ ही यह मिट्टी को भुरभुरी बनाकर जड़ों तक हवा और पानी के बेहतर प्रवाह में सहायता करती है। इससे उत्पादन में वृद्धि होती है और किसानों की लागत में भी कमी आती है।

किसानों में उत्साह : मशीन प्राप्त करने वाले किसानों में काफी उत्साह देखा गया। एक लाभार्थी किसान ने बताया कि पहले गन्ने के घने खेतों में जाकर दवा छिड़काव करना कठिन और जोखिम भरा होता था, लेकिन अब इस नई मशीन की मदद से बाहर खड़े होकर ही आसानी से छिड़काव किया जा सकेगा। इससे उनकी मेहनत और समय दोनों की बचत होगी।संचालन एवं सुरक्षा की जानकारीकार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा किसानों को मशीनों के सही संचालन एवं सुरक्षित उपयोग के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे इन उपकरणों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

गवर्नरः द साइलेंट सेवियर का पोस्टर रिलीज, मनोज बाजपेयी के नए अवतार ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बॉलीवुड के दमदार एक्टर मनोज वाजपेयी एक बार फिर अपने इंटेंस अवतार में वापसी कर रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म गवर्नरः द साइलेंट सेवियर का पहला पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है। खास बात ये है कि यह पोस्टर उनके जन्मदिन के मौके पर लॉन्च किया गया, जिसने फैंस के बीच एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया।

रहस्यमयी लुक और दमदार टैगलाइनः पोस्टर में मनोज बाजपेयी का चेहरा साफ नहीं दिखाया गया है, बल्कि वो पीछे से नजर आ रहे हैं हाथ में सूटकेस और एक लंबा कॉरिडोर जो कहानी में सस्पेंस का तगड़ा इशारा देता है। टैगलाइन- 'अगर मैं फेल हुआ तो इंडिया फेल हो जाएगा' फिल्म को एक हाई-वोल्टेज लीगल और पॉलिटिकल ड्रामा की दिशा में ले जाती दिख रही है।

कुर्सी बनी कहानी का सबसे बड़ा संकेतः दूसरे पोस्टर में एक हरी कुर्सी को फोकस में रखा गया है, जिस पर लिखी लाइन्स 'इंडिया दिवालिया होने की कगार पर है और 'यह सिर्फ कुर्सी नहीं जिम्मेदारी है' ये साफ करता है कि फिल्म सत्ता, जिम्मेदारी और देश की हालत जैसे गंभीर मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमने वाली है।

पहली बार साथ आए दो नेशनल अवॉर्ड विनर्सः इस फिल्म के जरिए विपुल शाह और मनोज बाजपेयी पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दोनों दिग्गजों का ये कॉम्बिनेशन दर्शकों के लिए एक अलग और दमदार सिनेमाई अनुभव लेकर आ सकता है।

जन्मदिन पर पोस्टर रिलीज : मनोज बाजपेयी के बर्थडे पर पोस्टर रिलीज करना साउथ इंडस्ट्री के उस ट्रेंड की याद दिलाता है, जहां स्टार्स के खास दिन पर फिल्म की झलक दिखाई जाती है। यह तरीका फैंस को सीधे जोड़ने और फिल्म को पहले ही चर्चा में लाने का स्मार्ट मूव माना जा रहा है।

क्या खास होने वाला है इस फिल्म में?

गवर्नरः द साइलेंट सेवियर सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सिस्टम, पावर और जिम्मेदारी की कहानी लग रही है। पोस्टर से साफ है कि इसमें सस्पेंस, पॉलिटिक्स और इमोशन का जबरदस्त मिक्स देखने को मिलेगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि मनोज बाजपेयी इस बार किस तरह का किरदार लेकर आते हैं लेकिन इतना तय है, ये फिल्म चर्चा में रहने वाली है।

समीरा रेड्डी का दमदार कमबैक, आखिरी सवाल को बताया करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला

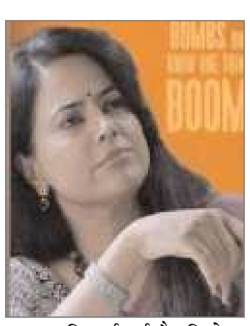

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई है। दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की अनाउंसमेंट के बाद से ही यह सुर्खियों में बनी हुई है और अब हनुमान जयंती के खास मौके पर इसका टीजर रिलीज किया गया है। टीजर में दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया।

समीरा रेड्डी का निडर कमबैकः फिल्म के जरिए लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और आखिरी सवाल बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। फ्रर को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं। यह फिल्म आपको सुकून नहीं देती, बल्कि आपके विश्वासों को चुनौती देती है और आपको सोचने पर मजबूर करती है। मैं चाहती थी कि मेरा कमबैक निडर हो और यह फिल्म उसी सोच को दशार्ती है।

फिल्म की टीम और रिलीज डेटःआखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। फिल्म को निखिल नंदा प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि इसके निमार्ता निखिल नंदा और संजय दत्त हैं। पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पति पत्नी और वो 2 का पहला गाना रूप दी रानी रिलीज

फिल्म पति पत्नी और वो 2 के मेकर्स, टी-सीरीज और बी आर स्टूडियोज ने इस फिल्म का पहला गाना रूप दी रानी रिलीज कर दिया है। यह एक देसी, मस्ती भरा और अपबीट ट्रैक है, जिसमें आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आ रहे हैं। यह एक हाई स्पिरिट डांस नंबर है, जो फिल्म के मजेदार माहौल को दिखाता है।

रूप दी रानी को गुरु रंधावा और हीर ने गाया है, इसके बोल इंदीवर ने लिखे हैं, संगीत तनिष्क बागची ने दिया है और इस गाने का डांस बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने कोरियोग्राफ किया है। गाने में एक कैची धुन और मजेदार डांस स्टेप हैं, जो शादी जैसे सीन की तरफ इशारा करते हैं। इसके रंगीन और एनर्जेटिक विजुअल्स फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ा देते हैं।

गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज प्रस्तुत, टी-सीरीज फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज के बैनर तले बनी ह्यपति पत्नी और वो दोह्व का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डेविड धवन ने सलमान खान को बताया अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम, बोले- 'हर मुश्किल में...'

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार सलमान खान और मशहूर फिल्ममेकर डेविड धवन की जोड़ी लंबे समय से दर्शकों की पसंदीदा रही है। दोनों ने साथ मिलकर कई हिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, जिसने उन्हें बॉलीवुड की सबसे सफल एक्टर-डायरेक्टर जोड़ियों में शामिल कर दिया। हालांकि, डेविड धवन के अनुसार उनका रिश्ता सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी जिंदगी में भी उतना ही मजबूत है।

सलमान खान के लिए कही दिल की बातः हाल ही में डेविड धवन ने सलमान खान के साथ अपने खास रिश्ते पर खुलकर बात की। उन्होंने सलमान को न सिर्फ एक बड़े सुपरस्टार बल्कि एक नेक दिल और भावुक इंसान बताया। डेविड ने कहा कि सलमान हमेशा हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहते हैं और उनका यह साथ सिर्फ प्रोफेशनल नहीं बल्कि व्यक्तिगत भी है।

हर मुश्किल में साथ देते हैंः डेविड धवन ने कहा, हमारा साथ बहुत पुराना है और हमने साथ में 8-9 फिल्में की हैं। उन्होंने हर चीज के लिए हमेशा मेरा सपोर्ट किया है। परिवार की बात हो तो वह सिर्फ एक के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए खड़े रहते हैं। हमने साथ में दुनियाभर की यात्रा की है। शूटिंग के बाद भी वह एक बेहतरीन इंसान हैं और काफी इमोशनल भी हैं। हमारा रिश्ता बेहद खास और अनोखा है।

फिल्मी सफर और आने वाला प्रोजेक्टः सलमान खान और डेविड धवन ने 90 और 2000 के दशक में जुड़वा , बीवी नंबर 1 और मुझसे शादी करोगी जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। वहीं, अगर सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह इन दिनों अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस की तैयारी में जुटे हैं। सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म को अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं और इसे सलमा खान प्रोड्यूस कर रही हैं। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी और यह बहादुरी, त्याग और संघर्ष की एक प्रेरणादायक कहानी पेश करेगी।

फिल्म एक दिन के लिए खास म्यूज़िकल इवेंट का ऐलान, 26 अप्रैल को मुंबई में सजेगी महफिल

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म एक दिन को लेकर दर्शकों में पहले से ही खास उत्साह बना हुआ है। एक सॉफ्ट, भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी पर आधारित इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की फ्रेश जोड़ी नजर आने वाली है। ट्रेलर और गानों की झलक सामने आने के बाद से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इसकी सादगी भरी कहानी और संगीत की झलक ने इसे पहले ही चर्चा में ला दिया है।

इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निमार्ताओं ने एक खास म्यूज़िकल इवेंट एक दिन की महफिल आयोजित करने का फैसला किया है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, यह विशेष कार्यक्रम 26 अप्रैल को मुंबई के एसएनडीटी कॉलेज, सांताक्रूज में आयोजित किया जाएगा। यह केवल एक प्रमोशनल इवेंट नहीं, बल्कि फिल्म के संगीत और उसकी भावनात्मक दुनिया को करीब से महसूस करने का एक अनोखा अवसर भी होगा।

इस खास शाम में फिल्म के गानों को लाइव परफॉर्मेंस के जरिए पेश किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अंतरंग और यादगार अनुभव मिलने की उम्मीद है। इस इवेंट में आमिर खान, साई पल्लवी, जुनैद खान और फिल्म के संगीतकार राम संपत जैसे प्रमुख नामों के शामिल होने की संभावना है। उनकी मौजूदगी इस शाम को और भी खास बनाएगी, जहां संगीत और भावनाएं एक साथ मंच पर जीवंत होती नजर आएंगी।

एक दिन की एक और खास बात यह है कि इसके साथ आमिर खान और निर्देशक मंसूर खान की चर्चित जोड़ी एक बार फिर साथ काम कर रही है। इससे पहले यह जोड़ी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दे चुकी है। ऐसे में दोनों का दोबारा साथ आना फैंस के लिए बेहद खास माना जा रहा है।

सुनील पांडे के निर्देशन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। एक दिन 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है ।

औरी ने ग्लैम नाइट आउट से शेयर किया वीडियो, अर्जुन रामपाल, खुशी कपूर और दोस्तों के साथ लूटी महफिल

मुंबई इस स्टाइलिश और हाई-एनर्जी शाम का असली रंग तो औरी ने जमाया, जो अपनी यूनिक पार्टी प्रेजेंस के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने इस खास नाइट आउट की एक मजेदार और कैंडिड वीडियो शेयर कर फैंस को इस ग्लैमरस पार्टी की अंदरूनी झलक दी है। फिलहाल औरी ने एक बार फिर अपने चार्म और सोशल बज से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है, जहाँ उनके हंसी-मजाक के साथ उनकी स्टाइल और दोस्तों के बीच की बॉन्डिंग साफ नजर आई। इस खास शाम में जहां अर्जुन रामपाल अपनी पत्नी गैब्रिएला डेमेट्रियाड्स के साथ नजर आए, वहीं खुशी कपूर और निरवान खान भी इस करीबी दोस्तों के ग्रुप का हिस्सा बने।

यूँ तो सभी की मौजूदगी ने शाम को खास बना दिया था, लेकिन औरी के कैमरे ने इस नाइट को एक खास एनर्जी से भर दिया था। औरी के वीडियो में वही अनफिल्टर्ड पल, मस्ती भरे इंटरैक्शन और दोस्तों के बीच की सहज केमिस्ट्री देखने को मिलती है।

गौरतलब है कि अपने खास अंदाज और सोशल मीडिया सेंस के साथ औरी ने सिर्फ यह पार्टी अटेंड नहीं की, बल्कि उसे डिफाइन भी किया। उनकी उपस्थिति से यह एक ऐसी शाम में बदल गई जो दोस्ती, फैशन और यादगार पलों से भरपूर थी।

आतिशी शतक से अभिषेक शर्मा ने कब्जाई ऑरेंज कैप

हैदराबादः अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर करते हुए 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाकर ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए है। यह उनका नौवां टी-20 शतक, उन्हें इस सीजन सात पारियों में 323 रन बना लिए। अभिषेक से तीन रन पीछे हाइनरिक क्लासन ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर हैं।

उन्होंने इस मैच में 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए अभिषेक के साथ 32 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। तीसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं, जिनके पांच पारियों में 265 रन हैं।

सात मई को धर्मशाला पहुंचेंगे पंजाब किंग्स, नौ को दिल्ली, 11 को मुंबई और 14 को आएगी आरसीबी

धर्मशालाः अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों के लिए मेजबान पंजाब किंग्स सात मई को धर्मशाला पहुंच जाएगी। पंजाब किंग्स धर्मशाला में 11 दिनों तक ठहरेगी। इसके साथ ही दिल्ली की टीम नौ मई, मुंबई 11 और आरसीबी की टीम 14 मई को धर्मशाला में पहुंच सकती है। धर्मशाला में होने वाले तीनों मैचों के लिए टीमों के पहुंचने का टेंटिव शेड्यूल एचपीसीए प्रबंधन के पास पहुंच चुका है। हालांकि इसे ही कंफर्म मानकर तैयारियां की जा रही है, बावजूद इसके अभी फाइनल शेड्यूल जल्द ही जारी होगा। दिल्ली कैपिटल्स के साथ होने वाले मैच से पहले टीम तीन दिन धर्मशाला में अभ्यास करेगी, जबकि दिल्ली की टीम मैच से दो दिन पूर्व नौ मई को धर्मशाला आएगी।

इसके अलावा मुंबई की टीम 11 या 12 मई को धर्मशाला पहुंचेगी, जबकि आरसीबी 14-15 मई को धर्मशाला में पहुंच जाएगी। धर्मशाला में होने वाले मुकाबले सभी टीमों के लिए अहम होंगे। उधर, एचपीसीए के महासचिव मनुज शर्मा ने बताया कि पंजाब की टीम सात मई को धर्मशाला पहुंच जाएगी। इसके अलावा दिल्ली की टीम नौ मई, मुंबई की टीम 11 या 12 व आरसीबी 14-15 को धर्मशाला आएगी। उन्होंने बताया कि प्रबंधन को टेंटिव संभावित शेड्यूल मिला है, इसके तहत ही बेहतरीन मेजबानी के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

दर्शकों को मिलेंगी आईपीएल मैच की ई-टिकटः अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में इस बार होने वाले आईपीएल मैचों में भी ई-टिकट की ही व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही इसमें क्यूआर कोड भी होगा, जिससे दर्शक स्टेडियम में टिकट के संबंधित गेट में पहुंचाने में गूगल मैप मदद करेगा। अब तक मैचों की टिकटों को लेकर रेट, ऑनलाइन व ऑफलाइन कांउटर पर बिक्री भी तय नहीं हो पाए हैं। ऐसे में 25 अप्रैल शनिवार को होने वाली अहम बैठक पर ही उक्त विषयों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। वहीं, मौजूदा समय में डिस्ट्रिक ऐप में धर्मशाला में होने वाले मैचों की टिकटें कमिंग सून चल रही हैं।

इतना ही नहीं, टिकटों के दामों पर भी अभी तक संशय बना हुआ है। एचपीसीए की ओर से फ्रैंजाइजी संग मिलकर दाम तय किए जाएंगे। पंजाब किंग्स के होम ग्रांउड धर्मशाला में मेजबान का 11 को दिल्ली कैपिटल्स, 14 को मुंबई इंडियनस व 17 मई को आरसीबी के साथ मुकाबले होने हैं। उधर, एचपीसीए के महासचिव मनुज शर्मा ने बताया कि टिकटों के दामों, ऑनलाइन व ऑफलाइन बिक्री को लेकर 25 अप्रैल शनिवार को फ्रैंजाइजी के साथ बैठक होगी, जिसमें इस संबंध में निर्णय लिए जाएंगे। इस बार भी दर्शकों को ई-टिकटें दी जाएंगी।

ईरान युद्ध में शांति करवाएगा भारत, रक्षा मंत्री ने जर्मनी में दिए बड़े संकेत, होर्मुज स्ट्रेट पर भी बोले

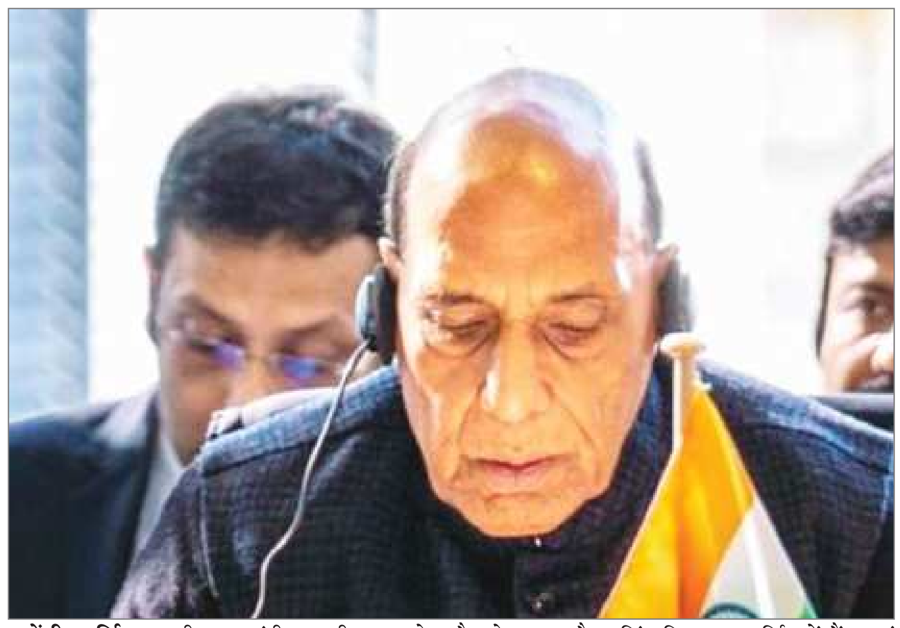

एजेंसी/ बर्लिन: भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ईरान युद्ध में शांति की पहल पर भारत की कोशिशों पर बड़ा बयान दिया है। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पूछा गया कि क्या पश्चिम एशिया संकट के बीच शांति की पहल करने में भारत की कोई भूमिका हो सकती है, तो उन्होंने कहा कि भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक सही समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए, जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफल भी हो। हम इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने की अपील की है। कूटनीतिक मामलों में हमारे प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण बहुत संतुलित है। बता दें कि राजनाथ सिंह फिलहाल बर्लिन में हैं, जहां भारत और जर्मनी के बीच डिफेंस सेक्टर को लेकर कई स्तर की बातचीत होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 से 23 अप्रैल, 2026 तक जर्मनी की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को गहरा करना और रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक नया रोडमैप तैयार करना है।

राजनाथ सिंह ने बर्लिन में कहा कि जब वह (पीएम मोदी) रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति से मिले तो उन्होंने इस पर चर्चा की। आपने देखा ही होगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से किसी भी देश का कोई जहाज गुजर नहीं पा रहा था। अगर कोई अपने 7-8 जहाजों के साथ वहां से गुजर पाया तो वह भारत ही था। राजनाथ सिंह के इस दौरे के दौरान दोनों देश सैन्य उपकरणों के ज्वाइंट डिवेलपमेंट और सह-उत्पादन के लिए एक ढांचे पर चर्चा कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह बर्लिन का जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने का कार्यक्रम है। इन चचाओं का मुख्य जोर रक्षा औद्योगिक सहयोग के विस्तार, सेनाओं के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने और साइबर सुरक्षा, एआई और ड्रोन जैसी उभरती तकनीकों के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर रहने की उम्मीद है।

सीजफायर के बीच तेहरान में 5 जगहों पर धमाके, मचा हड़कंप

लोगों ने कहा, एयर डिफेंस सिस्टम जैसी आवाज

तेहरान : तेहरान में गुरुवार तड़के कई धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। स्थानीय रिपोर्ट्स और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम पांच धमाकों की आवाज सुनी गई। कई लोगों का कहना है कि ये आवाजें एयर डिफेंस सिस्टम के सक्रिय होने जैसी थीं।

जानकारी के मुताबिक, पूर्वी तेहरान के परदिस इलाके में करीब 2:50 बजे पहली आवाज सुनाई दी। इसके बाद पश्चिमी हिस्सों, खासकर चिटगर इलाके से भी लगातार धमाकों की खबरें आईं। हालांकि, इन धमाकों के कारणों को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों का सीजफायर खत्म होने वाला था। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे आगे बढ़ाने का ऐलान किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हैं।

कूटनीतिक मोर्चे पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। खबरें थीं कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जो वार्ता टीम की अगुवाई कर रहे हैं, इस्लामाबाद जाने वाले थे। हालांकि, ईरान की ओर से सहमति न मिलने के कारण उनका दौरा टल गया। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ईरान से स्पष्ट और एकजुट जवाब चाहता है, ताकि बातचीत आगे बढ़ सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीजफायर समाप्त करने के लिए अभी कोई तय समयसीमा नहीं रखी गई है।

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका ने ईरान को 3 से 5 दिन का समय दिया है, ताकि वह अपने आंतरिक मतभेद सुलझाकर एक ठोस प्रस्ताव पेश कर सके। ऐसा न होने पर सीजफायर टूटने का खतरा बढ़ सकता है। तेहरान में हुए ये धमाके ऐसे समय सामने आए हैं जब कूटनीतिक गतिविधियां तेज हैं, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंध और इसे लेकर बढ़ता दबाव क्षेत्रीय और वैश्विक चिंता का कारण बना हुआ है।

दिल्ली से शिमला शिफ्ट होगा राष्ट्रपति कार्यालय

शमल: भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय नई दिल्ली से शिमला शिफ्ट किया जा रहा है। दरअसल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छह दिन के लिए शिमला प्रवास पर आ रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 अप्रैल से दो मई तक शिमला प्रवास पर हैं, इसलिए इन छह दिनों के लिए एक तरह से राष्ट्रपति कार्यालय दिल्ली से शिमला शिफ्ट हो जाएगा। इसका एक कारण यह भी है कि राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास दिल्ली से बाहर सिर्फ शिमला और हैदराबाद में है। हिमाचल सरकार ने राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सारी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के छह दिवसीय प्रवास के दौरान राष्ट्रपति भवन की सारी जरूरी फाइलें यहां लाई जाएंगी और राष्ट्रपति सचिवालय छह दिन तक शिमला से संचालित होगा। देश में केवल तीन राष्ट्रपति निवास हैं। उनमें सबसे पुराना राष्ट्रपति निवास शिमला के मशोबरा में है। पूर्व में इसे दि रिट्रीट भी कहा जाता था। यह शिमला से 12 किलोमीटर दूर मशोबरा की शांत सुरम्य पहाडियों में स्थित है। राष्ट्रपति निवास मशोबरा 175 साल से भी अधिक पुराना है। इसकी निर्माण शैली धज्जी निर्माण वाली है। यहां लकड़ी और मिट्टी की दीवारें हैं। इस निर्माण शैली की खासियत यह है कि इस शैली में बनी इमारतों पर भूकंप का भी कोई असर नहीं होता।

क्या है धज्जी निर्माण शैली: इसके अलावा इस इमारत का एक खास सुख और है। यह धज्जी निर्माण शैली की इमारत गर्मियों में शीतल व सर्दी में गरमाहट से भरी रहती है। देश की राष्ट्रपति के मशोबरा स्थित आधिकारिक निवास में अनेक आकर्षण हैं। यहां सुंदर सेब का बागीचा है। इस बागीचे में तीन सौ से अधिक सेब के पौधे हैं। इन पौधों में विदेशी किस्में भी हैं।

शानदार ट्यूलिप गार्डन: यहां शानदार ट्यूलिप गार्डन है। तीन साल पहले अप्रैल महीने में ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में इस ट्यूलिप गार्डन का शुभारंभ किया था। यहां डेनमार्क, वेलेमार्क, जंबोपिक आदि किस्मों के ट्यूलिप के सुंदर फूल खिले हैं। यहां भीतरी कक्षों की मनमोहक सजावट देखते ही बनती है। राष्ट्रपति के लिए अलग से कक्ष हैं। पूरी इमारत के आसपास हरियाली का सुंदर साम्राज्य है। यहां से आसपास का 360 डिग्री नजारा दिखता है। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए फिलहाल राष्ट्रपति निवास मशोबरा को पर्यटकों के लिए बंद किया गया है। अब यह राष्ट्रपति का दौरा पूरा होने के बाद तीन मई से खुलेगा।

रियासतकाल व ब्रिटिश हुकूमत से जुड़ा इतिहासः इतिहास के मुताबिक दि रिट्रीट का निर्माण वर्ष 1850 का बताया जाता है। यह साढ़े दस हजार वर्ग फुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है। देश पर ब्रिटिश हुकूमत के समय तत्कालीन अंग्रेज शासकों में से एक लार्ड विलियम ने इसे कोटी रियासत के राजा से पट्टे पर लिया था। अंग्रेज शासकों को यह इमारत, इसकी निर्माण शैली और आसपास का वातावरण बहुत पसंद आया था, लिहाजा वर्ष 1895 में तत्कालीन वायसराय ने इसे फिर से ब्रिटिश शासन के अधीन कर लिया। पहले यह इमारत एक मंजिला थी। फिर इसे एडवर्ड चार्ल्स बक ने दो मंजिला इमारत के तौर पर रूपांतरित किया।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी में बिकवाली, कीमतें 1.6 प्रतिशत तक घटीं

मुंबई : सोने और चांदी की कीमतों में मजबूत डॉलर के चलते गुरुवार को दबाव देखा जा रहा है और दोनों कीमती धातुओं में करीब 1.6 प्रतिशत तक की गिरावट है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 9:56 पर 0.36 प्रतिशत या 546 रुपए की कमजोरी के साथ 1,52,111 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,719 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,52,200 रुपए उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी का 05 मई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.61 प्रतिशत की गिरावट या 3,987 रुपए की कमजोरी के साथ 2,44,377 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,220 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,44,730 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में कमजोरी कमजोरी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर गोल्ड की कीमत 0.68 प्रतिशत कम होकर 4,720 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 2.43 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति औंस हो गया है। सोने और चांदी में कमजोरी की वजह मजबूत डॉलर इंडेक्स को माना जा रहा है, जो कि 0.11 प्रतिशत बढ़कर 98.50 के ऊपर कारोबार कर रहा था। आमतौर पर जब भी डॉलर इंडेक्स में मजबूती देखी जाती है तो सोने और चांदी में दबाव देखने को मिलता है।

डॉलर इंडेक्स के तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी होना है, जिससे डॉलर की मांग बढ़ गई है। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 1.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 103 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 94 डॉलर प्रति बैरल पर है। डॉलर इंडेक्स दुनिया की छह बड़ी मुद्रओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दिखाता है, जिसमें यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग,कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक शामिल हैं।

बद्री विशाल की जय के जयकारों के साथ खुले बद्रीनाथ धाम के द्वार,सीएम धामी ने की पहली पूजा

चमोली : उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में बसे बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलते ही पूरा माहौल भक्ति और आस्था से भर गया। गुरुवार सुबह ठीक 6 बजकर 15 मिनट पर जैसे ही मंदिर के द्वार खुले, वैसे ही बद्री विशाल की जय के जयकारों से पूरा धाम गूंज उठा। कपाट खुलने की यह प्रक्रिया पूरी तरह विधि विधान और परंपराओं के अनुसार की गई। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ भगवान बद्री विशाल की पूजा-अर्चना की और उसके बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हुए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपाट उद्घाटन के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से पहली महाभिषेक पूजा संपन्न कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस खास मौके पर हजारों की संख्या में भक्त वहां मौजूद थे। कई लोग तो रात से ही कतार में लग गए थे, ताकि सबसे पहले भगवान के दर्शन कर सकें।

जैसे ही मंदिर के कपाट खुले, श्रद्धालुओं की आंखों में खुशी और श्रद्धा साफ झलक रही थी। कोई हाथ जोड़कर खड़ा था, कोई भावुक होकर प्रार्थना कर रहा था, तो कोई इस पल को अपने मोबाइल में कैद करने की कोशिश कर रहा था। हर किसी के चेहरे पर एक अलग ही सुकून और संतोष नजर आ रहा था। इस दौरान मंदिर परिसर को फूलों से खूबसूरती से सजाया गया था, जिससे उसकी भव्यता और भी बढ़ गई थी। सेना के बैंड ने भी अपनी मधुर धुनों से इस पावन अवसर को और खास बना दिया। पूरे वातावरण में एक सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो रही थी।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा की भी विधिवत शुरूआत हो गई है। इससे पहले केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट भी खोले जा चुके हैं। अब देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बन सकेंगे।

हर साल लाखों श्रद्धालु इस यात्रा पर आते हैं और भगवान बद्री विशाल के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य मानते हैं। माना जाता है कि यहां दर्शन करने से मन को शांति मिलती है और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। यही वजह है कि इतनी कठिन यात्रा होने के बावजूद लोगों की आस्था में कोई कमी नहीं आती।

हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने पर अनिश्चितता से कच्चे तेल में तेजी जारी, ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई : हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने पर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल में तेजी जारी है और गुरुवार को कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई है। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज पर ब्रेंट का जून फ्यूचर्स का कॉन्ट्रैक्ट सुबह के कारोबार में 103.35 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से लगभग 4 प्रतिशत अधिक था। वहीं, न्यूयॉर्क मर्केंटाइल एक्सचेंज पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का जून फ्यूचर्स का कॉन्ट्रैक्ट 1.62 प्रतिशत बढ़कर 94.47 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी की वजह हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने पर अनिश्चितता को माना जा रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरानी नेताओं द्वारा यूनिफाइड प्रस्ताव दिए जाने तक युद्धविराम को बढ़ा दिया, लेकिन उन्होंने ईरान पर लगी नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाई।

अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर कहा, ईरान के खिलाफ अमेरिकी नाकाबंदी के तहत अमेरिकी सेना ने 31 जहाजों को वापस मुड़ने या बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया है। वहीं, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया गया है। यह सीजफायर का उल्लंघन है। इससे ईरानी बंदरगाहों को निशाना बनाया जा रहा है। आगे कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक को समाप्त कर देता है।

विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट 50 दिनों से अधिक समय से बंद है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा बाधित हो गया है। कीमतों में लगातार वृद्धि से भारत के आयात बिल पर असर पड़ सकता है और इसकी अर्थव्यवस्था पर दबाव आ सकता है। सरकार का कहना है कि देश भर में खुदरा ईंधन आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

सम्राट कैबिनेट की पहली बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी, विकसित होंगे 11 सैटेलाइट शहर

पटना: सम्राट कैबिनेट की पहली बैठक में बुधवार को कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी मिली है, जिनमें राजधानी पटना समेत 11 प्रमुख शहरों के पास के इलाके में राज्य सरकार सैटेलाइट टॉउनशिप विकसित करने की योजना शामिल है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई यह कैबिनेट बैठक करीब एक घंटे तक चली, जिसमें दोनों उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए। कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव अरविंद चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि इन सभी टॉउनशिप के अपने अलग-अलग नाम होंगे। इससे संबंधित अधिसूचना नगर विकास एवं आवास विभाग के स्तर से जारी होने के साथ ही संबंधित शहरों के आसपास चिन्हित इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री, हस्तांतरण एवं भूमि के विकास या भवनों के निर्माण पर रोक लग जाएगी। यह अधिसूचना विभाग के स्तर से जल्द जारी होने की संभावना है। यह रोक 2027 तक रहेगी। इस मौके पर अपने-अपने विभागों से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी देने के लिए संबंधित विभागों के सचिव भी मौजूद थे। नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने बताया कि पटना के पास विकसित होने वाले टॉउनशिप का नाम पाटलिपुत्रा होगा। इसी तरह सोनपुर के टॉउनशिप का नाम हरिहरनाथपुरम, गयाजी का मगध, पूर्णिया का पूर्णिया, छपरा का सारण, सीतामढ़ी का सीतापुरम, सहरसा का कोसी, मुंगेर का अंग, मुजफ्फरपुर का तिरहूत, भागलपुर का विक्रमशीला और दरभंगा के टॉउनशिप का नाम मिथिला रखा गया है। इससे संबंधित विभागीय अधिसूचना जारी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि किस शहर में तैयार होने वाले टॉउनशिप का क्या स्वरूप होगा। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित अधिसूचना जारी होने के बाद इन सभी इलाकों में जमीन की खरीद-बिक्री या स्थानांतरण समेत अन्य सभी गतिविधि पर आगामी एक वर्ष के लिए रोक लग जाएगी।

महंगे शौक ने बनाया कॉल गर्ल, पति को काम पर भेजकर होटल पहुंचती थी महिला, पुलिस ने ग्राहक संग पकड़ा

बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय जिले में एक बड़े देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। था। छापेमारी के दौरान पुलिस एक 'कॉल गर्ल', उसके ग्राहक और होटल कर्मी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वो हैरान कर देने वाले हैं। बताया जाता है कि गिरफ्तार महिला बंगाल की रहने वाली है और अपने दूसरे पति से छिपकर सेक्स वर्कर के रूप में काम कर रही थी।

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी : दरअसल, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नगर थाना क्षेत्र के सुभाष चौक स्थित गणपति होटल में देह व्यापार का धंधा चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर सदर एसडीओ अनिल कुमार और डीएसपी आनंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जब होटल में छापेमारी की तो एक कमरे से महिला और पुरुष को आपत्तिजनक स्थिति में मिले। इस दौरान पुलिस पश्चिम बंगाल निवासी महिला (कॉल गर्ल), ग्राहक विक्की कुमार, होटल के कर्मचारी सोना कुमार को गिरफ्तार किया है।

वहीं पुलिस की जांच में होटल प्रशासन की भी बड़ी लापरवाही और संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने होटल का रजिस्टर चेक किया तो पकड़े गए युवक-युवती का कोई रिकॉर्ड दर्ज नहीं था। पुलिस ने मौके से कई आपत्तिजनक सामग्रियां भी बरामद की हैं।

विपक्षी दल समाज को बांटने और प्रक्रिया को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं : ढुल्लू महतो

संवाददाता

दुमका : स्थानीय परिसदन में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता को भारतीय जनता पार्टी के धनबाद लोकसभा सांसद ढुल्लू महतो ने संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने संसद में 16 और 17 अप्रैल को घटित घटनाक्रम पर विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस,समाजवादी पार्टी,टीएमसी और डीएमके ने महत्वपूर्ण विधेयकों का विरोध कर देश की आधी आबादी माताओं,बहनों और बेटियों के साथ विश्वासघात किया है।

भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि यह केवल एक विधेयक का विरोध नहीं था,बल्कि यह देश की महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान के खिलाफ विपक्ष की साजिश थी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्पष्ट कहा है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी कोई उपकार नहीं,बल्कि उनका संवैधानिक और स्वाभाविक अधिकार है। लेकिन विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित करने का काम किया। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और झूठ का पदार्फाश हो चुका है। परिसीमन से किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा,बल्कि यह देश में संतुलित एवं समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा।

श्री महतो ने कहा कि विपक्षी दलों ने संविधान (13वां संशोधन) विधेयक,परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा को बाधित कर लोकतंत्र का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संसद में इन दो दिनों के दौरान जो आचरण देखने को मिला,वह न केवल अलोकतांत्रिक था,बल्कि महिलाओं के प्रति उनकी नकारात्मक मानसिकता को भी उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि जब-जब महिलाओं को समान अधिकार देने की बात आती है,तब-तब ये दल तकनीकी बहाने,समितियों और अनावश्यक प्रक्रियाओं का सहारा लेकर मुद्दे को टालने का प्रयास करते हैं। दशकों तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं से दूर रखने की साजिश अब जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है।

भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि विपक्ष के कुछ दल धर्म आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर समाज को बांटने और प्रक्रिया को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं,जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने टीएमसी और डीएमके पर भी हमला बोलते हुए कहा कि ये दल अपने-अपने राज्यों में महिलाओं की आवाज दबाते हैं,लेकिन संसद में लोकतंत्र की दुहाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन का सीधा संबंध परिसीमन से है और इसमें देरी का मतलब महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करना है। विपक्ष का यह रवैया स्पष्ट करता है कि उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण से ज्यादा अपनी राजनीतिक जमीन की चिंता है।

भाजपा सांसद श्री महतो ने कहा कि आज देश की महिलाएं जागरूक हैं,पंचायतों में नेतृत्व कर रही हैं और अब संसद एवं विधानसभाओं में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो दल इस ऐतिहासिक अवसर को टालने का प्रयास कर रहे हैं,उन्हें आने वाले चुनावों में महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को डर है कि यदि महिलाओं को उनका अधिकार मिल गया तो उनकी वर्षों से चली आ रही राजनीतिक जमीन खिसक जाएगी। यही कारण है कि वे हर संभव तरीके से इस प्रक्रिया में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण,संतुलित प्रतिनिधित्व और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पार्टी यह स्पष्ट करती है कि महिलाओं के अधिकारों के लिए इस लड़ाई को हर स्तर पर मजबूती से लड़ा जाएगा और किसी भी महिला-विरोधी ताकत को सफल नहीं होने दिया जाएगा।

अंत में भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि यह समय विभाजन की राजनीति का नहीं,बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होने का है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में देश की महिलाएं अपने वोट की ताकत से इन अहंकारी और महिला-विरोधी दलों को राजनीति के हाशिये पर पहुंचा देंगी।

प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल,जिला महामंत्री मृणाल मिश्रा,निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद मौजूद थे ।

न्यूज IN ब्रीफ

हेल्पलाइन नंबर से पेयजल समस्या का हो रहा समाधान

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी शशि प्रकाश सिंह ने बढ़ती गर्मी के मद्देनजर नगर निगम, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर एवं मधुपुर को निदेशित किया है कि उनके क्षेत्रों में जितने भी सरकारी चापाकल हैं उनमें किसी भी प्रकार की मरम्मती की आवश्यकता हो तो उसे अविलंब ठीक कराएं।

उपायुक्त द्वारा नगर निगम क्षेत्र हेतु नगर आयुक्त, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, देवघर व मधुपुर के कार्यपालक अभियंता को निदेशित करते हुए कहा गया है कि चापाकल मरम्मति कार्यों के अलावा जिले में जल आपूर्ति की संकट उत्पन्न न हो, इसके लिए आवश्यक है कि आपसी समन्वय के साथ संबंधित विभाग के अधिकारी एक्टिव होकर कार्य करें, ताकि जिलावासियों को पेयजलापूर्ति को लेकर किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े। ज्ञात हो कि के निदेर्शानुसार पूर्व में ही चापाकलों के मरम्मती हेतु हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिसके तहत देवघर प्रखण्ड हेतु सुमित कुमार सिंह कनिय अभियंता 7717799510 व चंद्रशेखर कुमार सिंह 8017633738, देवीपुर प्रखंड हेतु मो जैनुल हक 9852302768, मोहनपुर प्रखण्ड हेतु आकाश वर्मा, कनीय अभियंता 8709412804 व लोपो देवगम, कनीय अभियंता 8877152854 , सरवां प्रखंड हेतु श्री शैलेश सुमन, कनीय अभियंता 7808816500 एवं चन्दन कुमार, कनीय अभियंता 8292839891 सोनारायठाढ़ी प्रखण्ड हेतु लक्ष्मी नारायण सिंह, कनीय अभियंता 7979764218 एवं श्रीसानुसंगम, कनीय अभियंता 8295843807 प्रमंडलीय नियंत्रण कक्ष हेतु सुकेश कुमार, निम्नवर्गीय लिपिक 8987530703, एवं प्रभु दयाल सिंह, निम्नवर्गीय लिपिक 7667473741 नामित किया गया हैं।

इसके अलावा मधुपुर अनुमंडल अंतर्गत मधुपुर प्रखण्ड हेतु चन्दन कुमार कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा सं0-2 (ग्रामीण) मधुपुर 9060535260 व अमरेन्द्र कुमार कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा सं0-2 बुढ़ई 8210363923, करौं प्रखण्ड हेतु हसन अख्तर कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा- करौं 9540199364, आशीष कुमार कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा- मारगोमुण्डा 8770132625, सारठ प्रखण्ड हेतु दिलीप मंडल कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा सं0-1, सारठ 8789271703 व अजित कुमार रविदास कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा सं0-2, सारठ 6204200339 एवं पालोजोरी प्रखण्ड हेतु राजकिशोर महतो कनीय अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रशाखा पालोजोरी 9608511501 के अलावा मधुपुर मुख्यालय में दूरभाष संख्या- 8809025317 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

पेयजल समस्या के निदान को लेकर गठित टीम द्वारा नगर निगम, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर टैग करते हुए खराब पड़े चापाकलों का त्वरित गति से मरम्मती कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

फेयर माइंस कार्बन के खिलाफ धरना 100वें दिन भी जारी, आज टाइगर जयराम महतो करेंगे शिरकत

हुसैनाबाद : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की पलामू जिला इकाई द्वारा पड़वा प्रखंड में संचालित फेयर माइंस कार्बन प्राइवेट लिमिटेड के कथित मनमाने रवैये के खिलाफ चल रहा धरना गुरुवार को 100वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से जारी इस आंदोलन में स्थानीय लोगों और कार्यकताओं का समर्थन लगातार बना हुआ है। धरना को और मजबूती देने के लिए 23 अप्रैल 2026, दिन गुरुवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो के आगमन की तैयारी की गई है। उनके कार्यक्रम को लेकर कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है। पलामू प्रमंडलीय सचिव सोनू कुमार पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी के खिलाफ चल रहा यह आंदोलन जनहित के मुद्दों को लेकर है और जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जमशेदपुर और घाटशिला कोर्ट में 25 को विशेष लोक अदालत

जमशेदपुर : जिला व्यवहार न्यायालय जमशेदपुर और अनुमंडल न्यायालय घाटशिला में 25 अप्रैल शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन होगा। बताया जाता है कि, विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस के लंबित मामलों पर सुनवाई होगी और दोनों पक्ष की सहमति से मामले का निष्पादन किया जाएगा। एनआईए एक्ट को लेकर विशेष अदालत की सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार से दिया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा मामले आ सके।

हत्या के आरोपी बिल्ला पाठक ने कोर्ट में किया सरेंडर

जमशेदपुर : गोलमुरी थाना अंतर्गत टीनप्लेट मैदान में 11 फरवरी को फल व्यापारी कन्हैया यादव की हत्या के आरोपी प्रदीप पाठक उर्फ बिल्ला पाठक ने गुरुवार को जमशेदपुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। बिल्ला पाठक ने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी विश्वनाथ उरांव के कोर्ट में सरेंडर किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दे कि कन्हैया यादव अपने साथी के साथ मैदान में टहल रहे थे। वह घर जाने की तैयारी कर रहे थे तभी तीन की संख्या में आए अपराधियों ने उनपर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

बार्डर पर पहराः बंगाल चुनाव के बीच लाल गलियारे में हाई अलर्ट

जमशेदपुर : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले से सटे बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में मतदान को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां लगभग दम तोड़ चुकी हैं, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है की तर्ज पर एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। नक्सली कमेटी के गढ़ पर पैनी नजरसूत्रों के अनुसार, यह पूरा इलाका नक्सलियों की बंगाल-झारखंड-ओडिशा रीजनल कमेटी के प्रभाव वाला रहा है। हाल के दिनों में सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव और केंद्र सरकार के नक्सल मुक्त भारत अभियान के कारण नक्सलियों के पैर उखड़ गए हैं।बावजूद इसके, खुफिया विभाग ने अंदेशा जताया है कि चुनाव के दौरान सीमा पार से असामाजिक तत्व या नक्सलियों के बचे-कुचे दस्ते गड़बड़ी फैलाने की कोशिश कर सकते हैं।सीमांचल में नाकाबंदी, चप्पे-चप्पे पर फोर्सबार्डर पर सुरक्षा को लेकर पुलिस कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूर्वी सिंहभूम से बंगाल जाने वाले हर छोटे-बड़े रास्ते पर चेक पोस्ट बना दिए गए हैं। सघन तलाशीः सीमा से गुजरने वाले हर वाहन की डिक्की और कागजातों की जांच की जा रही है। अतिरिक्त बल की तैनातीः संवेदनशील बूथों और जंगलों से सटे इलाकों में अर्धसैनिक बलों के साथ स्थानीय पुलिस की जॉइंट पेट्रोलिंग जारी है।

चक्रधरपुर की कोमल पोखरेल भुवनेश्वर में दिखाएगी अपना जिम्नास्टिक की करतब

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर की प्रतिभाशाली जिम्नास्ट कोमल पोखरेल आगामी 29 अप्रैल 2026 से भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय महिला आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही हैं। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से प्रतिभागी हिस्सा लेंगी, जहां कोमल अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं।

प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व आज कोमल ने चक्रधरपुर के नगर परिषद अध्यक्ष श्री सन्नी उरांव से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री उरांव ने कोमल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चक्रधरपुर के सभी नागरिक उनकी सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि कोमल उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी।

कोमल पोखरेल की इस उपलब्धि से पूरे चक्रधरपुर में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों को उनसे काफी उम्मीदें हैं। सभी ने उन्हें प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उपायुक्त ने विधि से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा की

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय कक्ष में सामान्य, विधि व उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य सामान्य प्रशासन, विधि और उच्च न्यायालयों से संबंधित लंबित मामलों की वर्तमान स्थिति का आकलन करना और उनके त्वरित निष्पादन की रणनीति तैयार करना था। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिंह ने पीआईएल, डब्लूपीएस, उच्च एवं उच्चतम न्यायालय से सम्बंधित वादों में प्रति शपथ पत्र दायर किये जाने की विभागवार समीक्षा के अलावा विभागवार लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने विभिन्न विभागों में लंबित वादों की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जनहित और प्रशासनिक कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे लंबित मामलों का वर्गीकरण कर उन्हें समयबद्ध तरीके से निष्पादित करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उपायुक्त ने विशेष रूप से जनहित याचिकाओं, उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय से संबंधित मामलों पर चर्चा के अलावा विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिन मामलों में अब तक प्रति शपथ पत्र दायर नहीं किया गया है, उनमें अविलंब कार्रवाई की जाए। उपायुक्त श्री सिंह ने कहा कि कानूनी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतें और अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट नियमित रूप से कार्यालय को उपलब्ध कराएं। मौके पर विधि शाखा प्रभारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्मृति मंच का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

संवाददाता

रांची : अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की स्मृति में सम्मान और विभिन्न मांगों को लेकर ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्मृति मंच का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को राज्यपाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने किया। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को आठ सूत्री मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

मंच की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव की जयंती और शहादत दिवस को सरकारी स्तर पर धूमधाम से मनाया जाए तथा उनकी जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित किया जाए। इसके अलावा उनकी जीवनी को झारखंड के स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की भी मांग की गई।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि धुर्वा स्थित शहीद मैदान से नयासराय रिंग रोड तक की सड़क, झारखंड क्रिकेट स्टेडियम और जे.एन. कॉलेज का नामकरण ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के नाम पर किया जाए। साथ ही एचईसी सेक्टर-3 में स्थापित उनकी प्रतिमा और चौक के रखरखाव की जिम्मेदारी सरकार द्वारा लेने तथा एचईसी क्षेत्र में खाली पड़ी तीन एकड़ भूमि उनके नाम आवंटित कर जनकल्याणकारी परिसर (अतिथिशाला, छात्रावास, वृद्धाश्रम आदि) निर्माण की अनुमति देने की मांग भी शामिल है।

लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने कहा कि देश की आजादी में कई वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी, जिनमें झारखंड के योद्धाओं की भूमिका भी अहम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहीदों को सम्मान देने में आज भी जाति, धर्म और वोट बैंक को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि उनकी देशभक्ति को आधार बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए छोटानागपुर क्षेत्र को छह महीने तक अंग्रेजी शासन से मुक्त रखा था, लेकिन बाद में अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर 16 अप्रैल 1858 को फांसी दे दी।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को अपनी पीड़ा से अवगत कराया, जिस पर राज्यपाल ने गंभीरता से सुनवाई करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस प्रतिनिधिमंडल में लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, ठाकुर युगल किशोर नाथ शाहदेव, लाल सूरज नाथ शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, लाल सुबोध नाथ शाहदेव और सुनील सिंह हेसल प्रमुख रूप से शामिल थे।

एसकेएमयू में ई-समर्थ लीव मैनेजमेंट पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

दुमका : सिद्धू-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू) के कुलपति कॉन्फ्रेंस हॉल में बुधवार को कुलसचिव की अध्यक्षता में ई-समर्थ पोर्टल के लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में कुलसचिव ने सोशल साइंसेज संकाय के शिक्षकों का स्वागत करते हुए ई-समर्थ पोर्टल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल में कुल 53 मॉड्यूल शामिल हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। यह पोर्टल देश के 17 राज्यों में पहले से लागू है और अब झारखंड के विश्वविद्यालयों में भी इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है और भविष्य में सभी प्रकार के अवकाश इसी पोर्टल के माध्यम से लिए जाएंगे। कार्यशाला के दौरान ई-समर्थ के नोडल अधिकारी डॉ. बास्के नीरज ने कर्मचारियों को लीव आवेदन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को पहले पोर्टल पर लॉगिन करना होगा, जहां यूजरनेम पहले से उपलब्ध रहेगा और पासवर्ड स्वयं बनाना होगा। लॉगिन के बाद ईमेल पर प्राप्त वेरिफिकेशन कोड दर्ज कर विकल्प के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

उन्होंने आगे बताया कि आवेदन संबंधित अधिकारी के पास जाता है, जहां से उसे अनुशंसा और स्वीकृति मिलती है। स्वीकृति के बाद कर्मचारी को ईमेल के माध्यम से सूचना प्राप्त होती है तथा लीव बैलेंस भी पोर्टल पर प्रदर्शित होता है। कार्यक्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि अब विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारी अवकाश के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन करेंगे और किसी भी प्रकार का ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह व्यवस्था शीघ्र ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में भी लागू की जाएगी।

जमशेदपुर में टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण इस्पात निर्माण पर सम्मेलन का आगाज

जमशेदपुर : झारखंड के जमशेदपुर स्थित शावक नानावती तकनीकी संस्थान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'सस्टेनेबल क्वालिटी स्टीलमेकिंग' का शानदार शुभारंभ हुआ। टाटा स्टील द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स जमशेदपुर चैप्टर, सीएसआईआर-एनएमएल और ऑल इंडिया इंडक्शन फर्नेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस और इंडक्शन फर्नेस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, एआईआईएफए के अध्यक्ष योगेश मंधानी, टाटा स्टील के उपाध्यक्ष सुबोध पांडे, मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. अतनु रंजन पाल और मुख्य गुणवत्ता आश्वासन डॉ. टी. भास्कर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य इस्पात उद्योग के विशेषज्ञों, शोधकताओं और प्रौद्योगिकी दिग्गजों को एक साझा मंच प्रदान करना है ताकि इस्पात निर्माण के वैकल्पिक रास्तों और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा की जा सके। स्वागत भाषण के दौरान डॉ. टी. भास्कर ने ईएएफ और आईएफ मार्ग के जरिए टिकाऊ इस्पात उत्पादन की महत्ता पर जोर दिया, वहीं डॉ. अतनु रंजन पाल ने धातुकर्म के क्षेत्र में आईआईएम जमशेदपुर चैप्टर की सक्रियता और टाटा स्टील की पहलों के साथ इसके तालमेल को रेखांकित किया। योगेश मंधानी ने भारतीय संदर्भ में इंडक्शन फर्नेस के उपयोग और प्राथमिक एवं माध्यमिक इस्पात निमार्ताओं के बीच साझेदारी की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताया।सम्मेलन के दौरान टाटा स्टील के सुबोध पांडे ने वैश्विक स्तर पर हरित इस्पात (ग्रीन स्टील) की ओर बढ़ते कदम, कचरा प्रबंधन और लागत अनुकूलन जैसे विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने चीन में हो रही तकनीकी प्रगति का उदाहरण देते हुए भारत को भी उसी दिशा में ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। डॉ. संदीप घोष चौधरी ने स्क्रैप की गुणवत्ता और ट्रम्प तत्वों की बढ़ती सांद्रता से जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस भव्य कार्यक्रम में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में फर्नेस टेक्नोलॉजी, संधारणीय विकास, कच्चे माल की गुणवत्ता, धातुकर्म प्रक्रिया नियंत्रण और डिजिटलीकरण जैसे पांच प्रमुख विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जो भविष्य के उच्च गुणवत्ता वाले तरल इस्पात उत्पादन की राह प्रशस्त करेंगे।